वर्ष: 2 अंक: 56,
पेज: 4, मुल्य 1 रु.

सुरत

सोमवार
27 अप्रैल 2020

दैनिक

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचारः– कमजोर तब रुकते हैं जब वो थक जाते हैं,और विजेता तब रुकते है जब वो जीत जाते हैं !

मच्छगर पंचायत ने कोरोना राहत कोष में दिए 1 करोड़

पृथला । सीएम कोरोना राहत कोष में गांव मच्छगर पंचायत ने एक करोड़ रुपये की राशि दी है। इस राशि का चेक गांव के सरपंच नरेश धनखड़ ने पृथला के विधायक एवं हरियाणा भंडारण निगम के अध्यक्ष नयनपाल रावत को उनके निवास पर सौंपा। इस मौके पर विधायक रावत ने कहा कि सरपंच ने एक सराहनीय पहल की है। वो इस चेक को उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री राहत कोष में पहुंचा देंगे। पृथला विधानसभा क्षेत्र की जनता ने लॉकडाउन की पूरी तरह से पालना की और शारीरिक दूरी बनाकर देश के प्रति अपना दायित्व निभाने का काम किया है। यह क्षेत्र में एक भी कोरोना पॉजिटिव मामला नहीं आया। अपने जिले में मच्छगर पहली ऐसी पंचायत है, जिसने इतनी बड़ी राशि मुख्यमंत्री राहत कोष में दी है। इससे पृथला क्षेत्र का गौरव बढ़ गया है। इस अवसर पर पंचायत सचिव राजेश पाराशर मौजूद थे।

कोरोना के डर से लोग नहीं गए रमजान के पहले दिन मस्जिद

हथीन । मुस्लिम समुदाय के लोग कोरोना वायरस के संक्रमण के डर और सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए रमजान के पहले दिन मस्जिद नहीं गए। यहां तक कि रोजों के दौरान होने वाली विशेष नमाज भी मस्जिदों में नही हुईं। बताया गया कि रमजान से पूर्व मस्जिदों को सजाने की जो परंपरा है, लेकिन उसका भी निर्वाह इस बार नहीं किया गया। गांव के निवासी सरफुद्दीन ने बताया कि सब लोग सरकार की हिदायतों का पालन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस्लाम के प्रति आस्था में कोई कमी नहीं है। मस्जिदों के प्रति भी लगाव है, लेकिन नाजुक दौर में घरों में बैठकर ही इबादत की जा रही हैं। गांव निवासी इदरीश और इलियास ने बताया कि आपातकाल में सावधानी जरूरी है। यही स्थिति मलाई, जलालपुर, भीमसीका, गुराक्सर और खिल्लुका गांव की मस्जिदों में रही। इस बारे में इलाके के मुस्लिम आलिम मुफ्ती लुकमान ने बताया कि इस्लामिक शिक्षा के प्रमुख केंद्र देवबंद से भी इस विषय में आदेश

गुजरात में फंसे म. प्र. के 3 हजार मजदूरों की घर वापसी

इंदौर,।लॉक डाउन के दौरान गुजरात में फंसे मध्य प्रदेश के 3000 मजदूरों की वापसी कल हो गई। इनका झाबुआ बॉर्डर पर स्वागत किया गया है। ये मजदूर गुजरात में भ.ारी परेशान थे। मुख्यमंत्री ने बसें भेजकर उनकी घर वापसी की है। मजदूरों ने इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार माना है।

स्पेन, यूके और अमेरिका के बाद कनाडा के ओल्ड एज होम्स में हुई कोरोना संक्रमित बूढ़ों की मौत

मोंट्रियल । कनाडा में भी हर दिन कोरोना संक्रमण के नए मामले सामने आ रहे हैं। यहां 44,000 से ज्यादा संक्रमण के मामले सामने आ चुके हैं, जबकि 2300 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। रिपोर्ट के मुताबिक कनाडा में कोरोना से हुईं मौतों में अधिकतर लोगों की उम्र 50 से ज्यादा है, जबकि इनमें से करीब 63 प्रतिशत लोग मोंट्रियल और देश के अन्य शहरों में स्थित ओल्ड एज होम्स में रह रहे थे। सवाल उठ रहा है कि क्या इटली, स्पेन, यूके और अमेरिका के बाद यहां भी बूढ़ों को मरने के लिए छोड़ दिया गया था। कनाडा की राजधानी मोंट्रियल में अभी तक कोरोना के सबसे ज्यादा केस सामने आए हैं। मोंट्रियल के ओल्ड एज केयर होम में काम करने वालीं महिला के मुताबिक उनके यहां रहने वाले सभी 180 बुजुर्ग कोरोना की चपेट में आ गए हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पास अस्पतालों जैसी कोई सुविधा नहीं थी, हमारे पास मेडिकल इक्विपमेंट भी नहीं थे। इसकारण कोरोना संक्रमण ओल्ड एज होम्स में जंगल की आग की तरह फैल गया। बता दें कि कनाडा में ओल्ड एज होम्स को लॉन्ग टर्म केयर फैसिलिटी के नाम से जाना जाता है। कनाडा के क्यूबेक शहर में हुईं मौतों में से 97 प्रतिशत की उम्र 60 से ज्यादा है और इनमें से ज्यादातर ओल्ड एज होम्स में ही रह रहे थे।

कोरोना मुक्त हुए 8 राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश

नई दिल्ली । देशभर में अब 8 राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश कोरोना मुक्त हो चुके हैं। इस लिस्ट में त्रिपुरा नया नाम है। त्रिपुरा के अलावा गोवा, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, नागालैंड, सिक्किम, दादर एंड नागर हवेली और लक्षदीप अब कोरोना फ्री हो चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार भारत में इस वायरस के संक्रमण से ठीक होने की दर (रिकवरी रेट) करीब 21।90 प्रतिशत है। कोरोना के खतरे के बीच यह थोड़ी राहत देने वाली खबर है।

कोविद –19 के फैलाव को रोकने के लिए 3 मई तक देशव्यापी लॉकडाउन जारी है।

आज का कार्टून ।

बढ़ती अश्लीलता और नग्नता कोरोना के रूप में अल्लाह का कोपः मौलवी बयान को लेकर मौलाना की हो रही आलोचना, इमरान सरकार भी लोगों के निशाने पर

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के प्रमुख मौलवी का कहना है ?कि कोरोना वायरस महामारी अल्लाह का श्राप है। उनको यह लगता है कि है जो उन्होंने बढ़ती नग्नता और अश्लीलता से नाराज होकर अल्लाह ने श्राप दिया है। हैरान करने वाली बात यह है कि अजी. बोगरीब दावा मौलाना तारिक जमील ने नैशनल टेलिविजन पर तब किया जब पीएम इमरान खान ने फंड जुटाने के लिए टेलिथॉन का आयोजन किया था। इस बयान को लेकर मौलाना की आलोचना तो हो ही रही वहीं अब इमरान सरकार भी लोगों के निशाने पर हैं। मौलाना जमील की पाकिस्तान में काफी फैन फॉलोइंग है। उन्होंने कहा ?कि अश्लीलता और नग्नता कोरोना वायरस के रूप में अल्लाह का कोप है। कौन है जो हमारी बेटियों को डांस करा रहा है। उनके कपडे छोटे होते जा रहे हैं। जब समाज में अश्लीलता आम बात हो गई है तो अल्लाह क्रोधित हुए हैं। उनके इस बयान को महिलाओं के प्रति बेहद कठोर और अपमानित करने वाला करार दिया गया है। कानून व न्याय मामले पर संसदीय सचिव बैरिस्टर मलीखा बुखारी ने ट्वीट किया ?कि महामारी के प्रसार को किसी भी परिस्थिति में महिलाओं की नैतिकता और शील से जोड़कर नहीं देखना चाहिए।

मानवाधिकार मंत्री शीरीन मजारी ने कहा ?कि हम इस तरह के बेढंगे आरोपों की आड़ में महिलाओं को निशाना बनाने को बर्दाश्त नहीं करेंगे। पाकिस्तान के संविधान के तहत अपने अधिकारों को पाने के लिए हमने कड़ी लड़ाई लड़ी है। उन्होंने कहा कि यह बेहद बेतुका है जिसमें कोविड19 महामारी की वजह महिलाओं के छोटे स्लीव्स के कपड़ों को ठहराया जा रहा है। यह महामारी के बारे में अज्ञानता या एक महिला विरोधी माइंडसेट दिखाता है जो कि अस्वीकार्य है। आसमा जहांगीर लीगल ऐड सेल की निदेशक निदा ऐली ने कहा कि महिलाओं को लॉकडाउन के दौरान सुरक्षा की जरूरत है।

उत्तर कोरिया के तानाशाह की मौत हुई या फिर ब्रेन डेड? आज उठ सकता है इस रहस्य पर से पर्दा

प्योंगयांग । नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन की सेहत को लेकर अटकलों का बाजार गर्म है। करीब 15 दिन से 'गायब' किम जोंग उन किस हालत में, इस बारे में तरह–तरह के दावे किए जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्टों में तो दावा किया जा रहा है कि किम जोंग उन अब नहीं रहे। संभावना है कि अगर किम जोंग की सच में मौत हो गई है तो हो सकता है कि सोमवार तक इसका ऐलान कर दिया जाए।

कोरिया में सुप्रीम लीडर की मौत का देर से ऐलान करने का इतिहास पहले भी रहा है। हांगकांग टीवी न्यूज चैनल एचकेएसटीवी के वाइस डायरेक्टर किंग फेंग ने दावा किया है कि किम जोंग उन की मौत हो गई है। वहीं जापान की एक मैगजीन का कहना है कि हार्ट सर्जरी के बाद किम जोंग ब्रेन डेड जैसी अवस्था में हैं। अगर किम की मौत हुई है तो आधिकारिक ऐलान सोमवार को किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले किम के पिता किम जोंग इल की मौत का ऐलान भी 48 घंटे बाद किया गया था।

2011 में किम जोंग इल की मौत 17 दिसंबर को हार्ट अटैक से हुई थी और इसका ऐलान 19 दिसंबर को किया गया था। उस समय टीवी प्रेजेंटर री चुन ही ने उनकी मौत का ऐलान किया था। अब भी नॉर्थ कोरिया में लोगों की नजरें इस बात पर रहेंगी कि क्या चुन ही इस बार भी काले कपड़ों में सुबह के बुलेटिन में इस बात की घोषणा करेंगी।

किम जोंग इल का अंतिम संस्कार मौत के 9 दिन बाद किया गया था। अगर इस बार भी ऐसा हुआ तो किम जोंग उन का अंतिम संस्कार 5 मई को किया जा सकता है। खास बात यह है कि जब चुन ही ने किम जोंग इल की मौत का ऐलान किया था तो साथ ही यह भी बताया था कि किम जोंग उन अगले नेता होंगे। अगर उत्तराधिकारी घोषित करने के लिए उसी परंपरा का पालन किया गया तो इस बार भी दुनिया को किम के उत्तराधिकारी के बारे में जानने के लिए लोगों को ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

वैसे माना जा रहा है कि किम की बहन किम यो जांग सुप्रीम लीडर हो सकती हैं। ऐसा हुआ तो 1948 के बाद से देश की सत्ता इसी परिवार के पास रहेगी।

रमजान में धैर्य, विश्वास की शक्ति एकत्र करें मुसलमानः रामाफोसा

जोहानिसबर्ग । मुसलमान भाईयों के पवित्र त्योहार रमजान पर दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने देश के मुसलमानों को मुबारकबाद देते हुए कहा है कि वे कोरोना वायरस महामारी के चलते परिवारों के एकत्र होने और सामूहिक नमाज पर पाबंदी के बीच इस पाक महीने के संदेश से धैर्य और विश्वास की शक्ति प्राप्त करें। अफ्रीकी संघ के अध्यक्ष होने के नाते यह संदेश साझा करने पर रामाफोसा की समूचे अफ्रीका के मुसलमानों ने तारीफ की है। राष्ट्रपति ने कहा, 'हमारे द्वीप, अफ्रीका के ऊपर रमजान का चांद निकल आया है और रमाजान का पाक महीना शुरू हो गया है। अफ्रीकी संघ की ओर से मैं इस पाक महीने के दौरान अपने मुसलमान बहन–भाइयों की कुशलक्षेम की कामना करता हूं।' उन्होंने कहा कि रमजान मानवता, त्याग और एकजुटता के मूल्यों को दर्शाने का समय है। रामाफोसा ने कहा, 'दुख है कि इस साल रमजान पिछले साल जैसा नहीं होगा। हम जनस्वास्थ्य संबंधी वैश्विक आपातकाल की स्थिति में हैं। कोरोना वायरस महामारी से विश्व का कोई भी कोना अछूता नहीं रह गया है।' उन्होंने कहा कि संकट की इस स्थिति में मुसलमानों को रमजान के महीने से धैर्य और विश्वास की शक्ति अर्जित करनी चाहिए।

अमेरिका में हर छठवां नागरिक बेरोजगार

वाशिंगटन । कोविड–19 की महामारी ने अमेरिका को हिला कर रख दिया है। अमेरिका में कोरोनावायरस से संक्रमित 50,000 से ज्यादा मरीजों की मौत हो चुकी है। वहीं कोरोनावायरस से संक्रमित होने वाले मरीजों की संख्या लगभग 10 लाख पर पहुंच गई है। इसके बाद भी इस संक्रमण का रोकथाम करने में अमेरिकी प्रशासन पूरी तरह से असफल साबित हुआ है।

बड़ी संख्या में मौतें होने के बाद भी आर्थिक संकट के कारण अमेरिका के राज्यों ने लॉकडाउन में छूट देने का फैसला किया है। कारोबार और रोजगार की स्थिति बेहतर हो। इसके लिए स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़े विशेषज्ञों की चेतावनी को दरकिनार करते हुए लॉक डाउन में छूट दी गई है। उल्लेखनीय है कि 50 प्रांतों वाले अमेरिका में हर छठवां कामगार बेरोजगार हो चुका है।

जॉर्जिया प्रांत के गवर्नर ने जिम,टैटू पार्लर, सैलून, स्पा और अन्य व्यवसाय खोलने की अनुमति दी है। धार्मिक सभा रेस्टोरेंट और थिएटर पर प्रतिबंध यथावत रखा है।

अमेरिका के जॉर्जिया, अलास्का, फ्लोरिडा, न्यूयॉर्क, मिशीगन, अर्कासस, सैन डिएगो, कोलोराडो, डेलावेयर प्रांतों में लॉकडाउन से छूट दी गई है। स्कूलों पर जरूर प्रतिबंध जारी रखा गया है। अमेरिका की आर्थिक गतिविधियां खत्म हो जाने और बड़े पैमाने

म.प्र. शासन का कोरोना से लडने और जीविका के संसाधन बढाने हेतु अभिनव पहल – जीवन शक्ति योजना

उज्जैन । कोरोना वायरस से बचाव के लिए प्रदेश के नागरिकों को अधिकाधिक संख्या एवं कम कीमत में मास्क उपलब्ध कराने, और प्रदेश के शहरी क्षेत्रों की महिला उद्यमियों के रोजगार के अवसरों में वृद्धि करने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश शासन द्वारा जीवन शक्ति योजना प्रारंभ की गई है।

मुख्यमंत्री द्वारा दिनांक 25 अप्रैल 2020 को योजना की घोषणा करते हुए पोर्टल का शुभारंभ किया गया।

– योजना में शहरी क्षेत्रों में निवासरत महिला उद्यमी को पात्रता

– प्रति मास्क 11रू. के दर से भुगतान

– महिला उद्यमियों द्वारा ऑनलाइन पंजीयन दृ आधार नं अथवा मोबाइल नं के द्वारा

– पंजीयन की सुविधा कॉल सेंटर (0755–2700800) के माध्यम से भी

– कॉल सेंटरध्हेल्प डेस्क पर शंका समाधान एवं शिकायत दर्ज की सुविधा

– पंजीकृत महिलाओं को राज्य स्तर से ऑनलाइन कार्य आदेश

– कार्य आदेश की सूचना एसएमएस के माध्यम से, महिला द्वारा पोर्टल पर लॉगइन करके अथवा कियोस्क से भी प्राप्त करने की सुविधा

– मास्क निर्माण की मासिक क्षमता अनुसार मास्क आपूर्ति का आदेश

– महिलाओं द्वारा स्थानीय निकाय मुख्यालय पर मास्क का प्रदाय

– मास्क आपूर्ति के 24 घंटे के अंदर महिला के बैंक खाते में ऑनलाइन भुगतान

– शुभारंभ के तीन घंटे में ही 1000 से अधिक महिला उद्यमियों द्वारा पंजीयन कराए गए।

दिल्ली में 7वें सप्ताह में 260 और 8वें सप्ताह में 580 लोग ठीक होकर घर गएः सीएम केजरीवाल

नई दिल्ली । दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने डिजिटल प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि पिछला एक सप्ताह उसके पहले वाले सप्ताह से अच्छा गुजरा है। पिछले एक सप्ताह में, उसके पहले वाले हफ्ते से कम केस आए हैं। कम लोगों की मौत हुई और ज्यादा लोग ठीक होकर अपने घर गए हैं। कोरोना जब से शुरू हुआ, उसके 7वें सप्ताह में 850 केस आए थे। यह देख कर हम लोग एक बार के लिए घबरा गए थे। हमने स्वीकार भी किया था कि दिल्ली में कोरोना बहुत तेजी के साथ फैल रहा है। सातवें सप्ताह में 850 केस आए थे और 8वें सप्ताह में 622 केस आए हैं, जो पिछले सप्ताह से थोड़ा कम हुआ है। दुनिया भर के देशों में देखा गया है कि एक बार जब कोरोना बढ़ना शुरू हो जाता है, तो बहुत तेजी से फैलता है। हफ्ता दर हफ्ता दोगुना, चैगुना, 16 गुना बढ़ता जाता है। दिल्ली में 7वें सप्ताह में 21 लोगों की मौत हुई थी और पिछले सप्ताह (8वें सप्ताह) में 9 लोगों की मौत हुई। हमारा मकसद है कि एक भी व्यक्ति की मौत नहीं होनी चाहिए। 7वें सप्ताह में 260 लोग ठीक होकर घर गए थे। 8वें सप्ताह में 580 लोग ठीक होकर अपने घर गए थे। एक तरह से दोगुना से अधिक लोग ठीक होकर अपने घर गए थे। अगर हम यह देखें कि जितने लोग बीमार होकर अस्पताल में आए और जितने लोग ठीक होकर गए, तो एक तरह से कुल 566 लोग पिछले से पिछले सप्ताह (7वें) अस्पतालों में आए और पिछले सप्ताह (8वें) में केवल कुल 34 लोग आए थे। एक तरह से पिछला सप्ताह अच्छा रहा। हम सब लोग बड़ी कठिनाई के साथ लॉक डाउन का पालन कर रहे हैं। इसी तरह हम लॉक डाउन का पालन करते रहे, तो हमें उम्मीद है कि शीघ्र ही इस बीमारी से हम सभी निजात पा सकते हैं।

कोरोना के मुख्य केन्द्र वुहान में पिछले 11 दिनों में कोरोना से एक भी मौत नहीं

बीजिंग । चीन के वुहान से निकले कोरोना के दर्द से दुनिया छटपटा रही है। कोरोना से अब तक 2 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 30 लाख लोग संक्रमित होने के करीब हैं। वहीं वुहान से पिछले 11 दिनों की चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है।

वुहान में पिछले 11 दिनों से कोरोना से एक भी मौत नहीं हुई है, जबकि कुल 12 संक्रमित ही बाकी हैं।

वुहान में शुक्रवार के बाद से कोरोना संक्रमण का कोई नया मामला सामने नहीं आया है।चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने बताया कि हुबेई की राजधानी वुहान में अब केवल 12 मामले सक्रिय हैं जबकि 11 लोगों को आधी रात अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। वहीं स्वास्थ्य आयोग के मुताबिक 51 लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है।

चीन में दिसंबर में वुहान से कोरोना महामारी की शुरुआत हुई थी। तब से लेकर अब तक चीन में 4632 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 82827 लोग संक्रमित हो चुके हैं जिसमें 77394 लोग ठीक हो चुके हैं।

इसके बाद चीन में एक बड़ा हिस्सा संक्रमितों का ठीक होकर अस्पताल से डिस्चार्ज हुआ है जो कि दुनिया के बाकी देशों के लिए कई सवाल खड़े कर रहा है।

107 साल की उम्र में दी कोरोना को मात, 5 साल की थीं तब स्पेनिश फ्लू को दी थी मात

मैड्रिड । स्पेन में 107 की बुजुर्ग ने कोरोना वायरस को मात दी है। खास बात यह है कि जब वे पांच साल की थीं तो स्पेनिश फ्लू को भी मात दी थी। इस बुजुर्ग का नाम एना डेल वैले है। माना जा रहा है कि वह कोरोना से ठीक होने वाली दुनिया की सबसे ज्यादा उम्र की बुजुर्ग हैं।

एना के साथ 60 लोग और संक्रमित हुए थे। अब वे ठीक हो चुकी हैं। उनका जन्म अक्टूबर 1913 में हुआ था। जब वह पांच साल की थीं, तब वे स्पेनिश फ्लू की चपेट में आई थीं और ठीक भी हुईं। जनवरी 1918 से दिसंबर 1920 तक स्पेनिश फ्लू का प्रकोप रहा था। इस महामारी से दुनिया की एक तिहाई आबादी (50 करोड़ लोग) खत्म हो गई थी। स्पेनिश फ्लू को मात देने के 102 साल बाद एना ने कोरोनावायरस से भी लड़ाई जीत ली है।

स्पेन में 101 साल की दो और बुजुर्ग महिलाओं ने कोविड–19 पर जीत हासिल की है। एना का मामला किसी करिश्मे से कम नहीं है।

एना की बहू पाकुई सांचेज ने अस्पताल का शुक्रिया अदा किया है।

उन्होंने कहा कि एना की उम्र ज्यादा होने की वजह से डॉक्टरों ने बहुत संभलकर काम किया। एना अब ठीक हैं। वे वाकर की मदद से चलती हैं और खुद खाना भी खाती हैं।

दुष्कर्म के मुकदमें का वांछित अभियुक्त को थाना खुटहन पुलिस ने किया गिरफ्तार

पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियो की गिरफ्तार के चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी शाहगंज के कुशल मार्गदर्शन मे प्र0नि0 जगदीश कुशवाहा मय हमराह उ0नि0 रणजीत उपाध्याय का0 शिवशमुझ का0 दीपक कुमार द्वारा दिनांक 06.06.2019 को ग्राम भिवरहाखुर्द मे हुई घटना से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त 1– पवन कुमार शुक्ला पुत्र राजाराम शुक्ला निवासी ग्राम बदलापुर खुर्द थाना बदलापुर जनपद जौनपुर को उसके घर ग्राम बदलापुर खुर्द से आज दिनांक 25.04.20 को समय 04.15 बजे गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त उपरोक्त की गिरफ्तारी से इस प्रकार के अपराधो पर अंकुश लगेगा।

पवन कुमार शुक्ला

पंजीकृत अभियोग– 1.मु0अ0सं0–182/19 धारा 376/504/506/323 भादवि थ. ाना खुटहन जौनपुर। गिरफ्तार अभियुक्त–1.पवन कुमार शुक्ला पुत्र राजाराम शुक्ला निवासी ग्राम बदलापुर खुर्द थाना बदलापुर जनपद जौनपुर। गिरफ्तारी करने वाली टीम–1. प्र. 0नि0 जगदीश कुशवाहा थाना खुटहन जौनपुर। 2.उ0नि0 रणजीत उपाध्याय, का0 शिवसमुझ यादव, का0 दीपक कुमार थाना खुटहन जौनपुर।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गरीबों और अमीरों के लिए भारत में दोहरे कानून?

भारतीय संविधान में न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका का अलग अलग दायित्व है। मीडिया को स्वतंत्र रखा गया था। वह जनता का प्रतिनिधित्व करें। इसके लिए उसे कोई अधिकार संविधान ने नहीं दिए।

केवल इतना अधिकार दिया, कि वह अपनी बात स्वतंत्रता से लिख सकता है, बोल सकता है। उसकी आवाज को जनता जनार्दन की आवाज माना जाएगा। पिछले कुछ समय से कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका की कार्यप्रणाली को देखें, तो ऐसा लगता है, कि देश में जो भी हो रहा है। वह सब कार्यपालिका कर रही है। इसमें न्यायपालिका की भूमिका सरकार द्वारा किए गए कार्यों में अपनी सहमति प्रकट करना अथवा सरकार की सुविधानुसार निर्णय को टालना है।

इसी तरह विधायिका भी बड़े से बड़े मुद्दे में संसद और विधानसभाओं में कार्यपालिका के इशारे पर जितना बोलने की अनुमति दी जाती है। उतना ही सांसद और विधायक बोल पाते है। मीडिया की स्थिति भी कुछ इसी तरह की बन गई है। कार्यपालिका जो निर्देश देती है, मीडिया भी उसका अक्षरस पालन करना मजबूरी है। जिसके कारण देश में पहली बार कार्यपालिका की सर्वोच्चता देखने को मिल रही है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जब पदभार गृहण कर रहे थे। तब उन्होंने सरकार के साथ सहयोग करने की बात कही थी। लोकसभा, राज्यसभा तथा विधानसभाओं में सत्ताधारी दल के सदस्य ही अध्यक्ष निर्वाचित होते हैं। वह भी सरकार के कामकाज को सुगम बनाने का काम कर रहे हैं।

संसद और विधानसभाओं में सदस्यों को 1 मिनट 2 मिनट 5 मिनट में बड़े से बड़े मुद्दों पर अपनी बात कहनी होती है। संसद और विधानसभा के सत्रों की अवधि लगातार कम होती जा रही है। विवादास्पद मामलों में सत्ता पक्ष भी विपक्ष की तरह हंगामा करने का कोई मौका नहीं छोड़ता है।

जिसके कारण संसद और विधानसभाओं में भी कानूनों और नियमों को लेकर जैसा विचार विमर्श होना चाहिए, वैसा नहीं हो पाता है। जल्दबाजी एवं हंगामे के बीच में बिना किसी चर्चा के कार्यपालिका अपनी सुविधानुसार नियम कायदे कानून बनवाकर लागू कर देती है। जिसके कारण भारत जैसे देश में दूरगामी परिणामों को देखते हुए जिस तरह के निर्णय अथवा कानून विधायिका को बनाने चाहिए थे, वैसे कानून नहीं बन पा रहे है।

अब तो न्यायपालिका भी सरकार की मंशा को देखते हुए मामलों की सुनवाई कर रही है। हाल ही में वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने लिखा है, इस समय अदालतों को किसी भी हाल में कार्यपालिका को कार्य करने से नहीं रोकना चाहिए। उन्होंने तो यहां तक लिखा है, कि ब्रिटेन में जिस तरह कार्यपालिका को असीमित अधिकार मिला हुआ है। वैसा ही भारत में होना चाहिए।

कोरोनावायरस के संक्रमण और आर्थिक आपदा को देखते हुए साल्वे का यह कथन काफी महत्वपूर्ण है। वहीं पिछले दिनों वरिष्ठ वकील दुष्यंत दुबे ने लिखा है कि यह कैसा समय है। जब विधायिका और न्यायपालिका दोनों का काम लगता है, स्थगित हो गया है। सभी काम की जवाबदारी केवल कार्यपालिका निभा रही है।

पिछले वर्षों में जिस तरह से न्यायपालिका तथा विधायिका में कार्यपालिका का हस्तक्षेप बढ़ा है। सारी संवैधानिक संस्थाओं में कार्यपालिका का हस्तक्षेप प्रत्यक्ष देखने को मिल रहा है। हर संवैधानिक संस्थान कार्यपालिका के प्रत्येक निर्णय और कार्यों को आगे बढ़ाने में उसका सहयोग कर रहा है। उससे लगता है कि

प्रधानमंत्री के रूप में जो फैसला नरेंद्र मोदी जी लेते हैं। तीनों स्तंभ उसका पुरजोर समर्थन करने में लग जाते हैं। चौथा स्तंभ मीडिया भी अब इस मामले में पीछे नहीं रहा। भारत में सबसे ज्यादा भरोसा लोगों को न्यायपालिका के ऊपर था। न्यायपालिका संविधान को दृष्टिगत रखते हुए सरकार के बनाए हुए कानूनों नियमों के अनुसार लोगों के मौलिक अधिकार की समीक्षा करके स्वतंत्र निर्णय करती थी। उसे सारे लोग स्वीकार करते थे।

पिछले कई वर्षों से सुप्रीमकोर्ट, हाईकोर्ट, चुनाव आयोग, सीबीआई जैसी संस्थाएं, लोकसभा, राज्यसभा के कामकाज है। सरकार का प्रत्यक्ष हस्तक्षेप एवं प्रभाव देखने को मिल रहा है।

न्यायपालिका भी सरकार के किसी भी निर्णय पर उसकी संवैधानिक समीक्षा कर अवरोध बनना नहीं चाहती है।

जिसके कारण पिछले वर्षों में अथवा पिछले माहों में न्यायपालिका ने जिस तरीके से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सरकार के साथ सहयोग किया है। उसको लेकर अब यह कहा जाने लगा है, कि भारत में कार्यपालिका ही सर्वोच्च है। न्यायपालिका और विधायिका कार्यपालिका के सामने बोने हैं। जिसके कारण भारत में अब जो है, वह सरकार ही है।

कोरोनावायरस संक्रमण के बाद जिस तरह की स्थितियां देश में देखने को मिल रही हैं। उसमें गरीब और अमीर की लड़ाई भी अब सामने दिखने लगी है। सरकार ने विदेशों से लोगों को भारत बुलाया उनके लिए सारे इंतजाम किए। क्योंकि यह विशिष्ट वर्ग था।

गरीबों के मामले में सरकार की सोच अलग है। गरीबों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोनावायरस के संक्रमण को देखते हुए जब लॉकडाउन की घोषणा की। तो केवल 4 घंटे का समय गरीबों को दिया। जिसके कारण करोड़ों मजदूर और गरीब जो अपना घर छोड़कर विभिन्न राज्यों में रोजी रोजगार और नौकरी के लिए गए थे। वह वहीं फंसे रह गए।

उनके पास रहने के लिए छत भी नहीं है। लॉकडाउन के कारण सब काम धंधे बंद हो गए है। बाहर भी नहीं निकल पा रहे हैं। ना वह पैदल जा पा रहे हैं।

ना उनके लिए सरकार ने ट्रेन और बस का प्रबंध किया। जगह जगह पर उन्हें रोकने के लिए जो क्वॉरेंटाइन सेंटर बनाए गए। उनमें कोई सुविधाएं नहीं है। वहां पर फिजिकल डिस्टेंस का भी पालन नहीं हो पा रहा है।

उन्हें खाना भी नहीं मिल पा रहा है। इसके बाद भी सुप्रीम कोर्ट और अन्य संस्थाएं उनकी व्यथा सुनने के लिए तैयार नहीं है।

स्थिति यह बन गई है कि अब लोग कहने लगे हैं की जेल भेज देते, तो वहां कम से कम दो टाइम का भोजन और रहने के लिए छत तो मिलती।

लेकिन क्वॉरेंटाइन सेंटर मैं जिस तरह से लोगों को बंद करके रखा है। उससे तो अच्छे कांजी हाउस हैं। जहां पर पशुओं को रखा जाता है।

1 महीने से अधिक समय हो गया। रोज कमाने खाने वाले मजदूर और कामगार आज अपने छोटे –छोटे बच्चों के साथ यहां से वहां भटक रहे हैं। खाना नहीं मिल रहा है। सरकार उनकी बात नहीं सुन रही है। विधायिका मौन साधे हुए बैठी हैं। न्यायपालिका चुप है। वह कह रही है, ऐसे समय पर हमें सरकार का सहयोग करना है।

लेकिन गरीबों को सहयोग कौन करेगा। इसको लेकर कोई सोच नहीं है। जगह–जगह पर अब यह गरीब निकलकर, अपना विरोध प्रदर्शन कर रहा है। उसे अभी भी लगता है, कि सरकार और न्यायपालिका उसकी बात सुनेगी।

उसे घर भेजने की व्यवस्था करेगी। क्वॉरेंटाइन सेंटर्स की हालत सुधरेगी। अस्पतालों में इलाज मिलेगा।

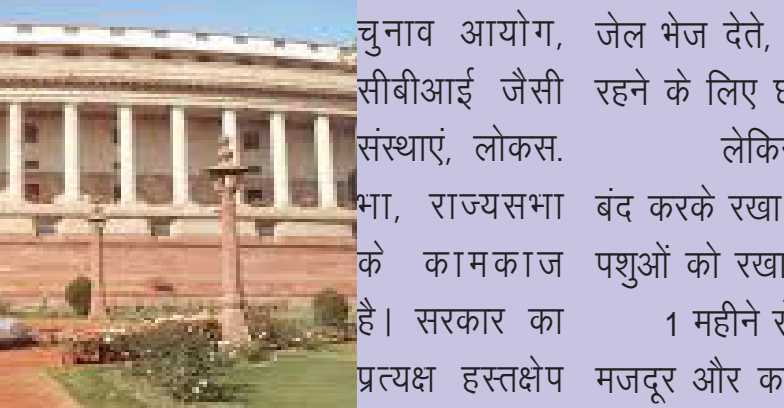

लेकिन अब उसका यह भरोसा भी धीरे–धीरे टूटता चला जा रहा है। कहा जाता है, भूख से बड़ी कोई आग नहीं होती है। आज देश में करोड़ों लोग लॉकडाउन लागू होने के बाद बच्चों को दो टाइम का भोजन नहीं दे पा रहे हैं। ऐसी स्थिति में अब गरीबी और अमीरी के बीच में जो खाई बनकर सामने आई है। आगे चलकर इसके बड़े दुष्परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

होमगार्ड को उठक–बैठक कराने वाले अधिकारी का हुआ प्रमोशन

पटना । बिहार के अररिया में होमगार्ड को उठक–बैठक कराने वाले जिला कृषि पदाधिकारी मनोज कुमार पर बिहार सरकार ने कार्रवाई करने के बजाए प्रमोशन दे दिया है। दरअसल, कुछ दिनों पहले अररिया में एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें उन्हें पुलिस विभाग में चौकीदार गणेश तत्मा को सजा के तौर पर उठक–बैठक करवाते देखा गया था। क्योंकि उसने लॉकडाउन के दौरान अपनी ड्यूटी करते वक्त उसने मनोज कुमार की गाड़ी को रोका था। इस बात पर कृषि पदाधिकारी इतना नाराज हो गए थे कि उन्होंने चौकीदार को जेल भेजने की धमकी दे डाली थी। इस मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस विभाग ने मौके पर मौजूद एएसआई गोविंद सिंह को सस्पेंड कर दिया था क्योंकि उसने भी कृषि पदाधिकारी का ही साथ दिया था और चौकीदार से उठक–बैठक करवाई थी। बिहार मानवाधिकार आयोग ने भी इस पूरे मामले का संज्ञान लेते हुए अररिया के जिलाधिकारी और एसपी को नोटिस जारी करते हुए उनसे 6 मई तक विस्तृत रिपोर्ट देने को कहा है। हालांकि अब एएसआई गोविंद सिंह के सस्पेंड होने के बाद कृषि पदाधिकारी पर भी कार्रवाई की मांग उठ रही थी मगर बिहार सरकार ने इसके उलट कृषि पदाधिकारी को प्रमोशन देते हुए उन्हें कृषि विभाग में ही उप निदेशक बना दिया है। इस बाबत सरकार की तरफ से एक अधिसूचना जारी की गई, जिसमें इस बात की जानकारी दी गई कि अररिया के पदाधिकारी मनोज कुमार को पदस्थापित करते हुए उन्हें मुख्यालय बुला लिया गया है और उन्हें उपनिदेशक के पद पर नियुक्त किया गया है। इस मामले में कृषि मंत्री प्रेम कुमार ने कहा कि मनोज कुमार पर कार्रवाई जारी रहेगी। सरकार ने सबसे पहले उसके खिलाफ अररिया में एफआईआर दर्ज करवाई है। अररिया में जांच प्रभावित न हो, इसी वजह से उसे अब पदस्थापित करके मुख्यालय बुला लिया गया है।

बिहार में बिजली कर्मचारियों के वेतन पर गहराया संकट

पटना । कोरोना वायरस के वजह से लागू लॉकडाउन के कारण बिहार में सरकारी विभाग आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। इन्ही विभागों में बिजली विभाग मुख्य है। लॉकडाउन के चलते पिछले कई दिनों से बिजली विभाग के कैश काउंटर बंद पड़े हैं। ऐसे में लोगों ने बिजली बिल ही जमा करना बंद कर दिया। ऐसे में कम आय के चलते कंपनी में कार्यरत और रिटायर 20 हजार से अधिक कर्मचारियों के वेतन और पेंशन पर संकट गहरा गया है। बता दें कि बिहार में लॉकडाउन के बाद रोज 4000 मेगावट से अधिक बिजली की खपत हो रही है। लोगों को बिजली देने का खर्च 7 रुपए प्रति यूनिट से अधिक है, लेकिन कमाई 4 रुपए ही प्रति यूनिट हो रही है। हालांकि, इस नुकसान का भरपाई राज्य सरकार अनुदान देकर करती है। बता दें कि राज्य सरकार लोगों को सस्ती बिजली देने के लिए 5494 करोड़ रुपए का अनुदान दे रही है, लेकिन कर्मचारियों को वेतन और पेंशन देने का काम कंपनी अपनी आमदनी से करती है। अधिकारियों ने कहा कि हर महीने कंपनी को औसतन 700 से 800 करोड़ रुपए की वसूली होती है। वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर मार्च महीने में यह वसूली 1500 करोड़ रुपए तक चली जाती है। साल 2019 में कंपनी को 1400 करोड़ रुपए से अधिक की आमदनी हुई थी। मगर, इस साल मार्च महीने में ही कोरोना वायरस का कहर शुरू हो गया। ऐसे में इस बार कंपनी को 700 करोड़ रुपए की ही आमदनी हुई। बता दें कि बिजली कंपनी के कैश काउंटर पर 60 फीसदी से अधिक पैसा जामा होता है। लॉकडाउन की वजह के काउंटर बंद होने के चलते कंपनी की आमदनी बंद हो गई है।

कैंसर का इलाज कराकर लौटे तीन लोग निकले कोरोना पॉजिटिव

पटना । कोरोना वायरस के बीच मुंबई से इलाज कराकर पटना लौटे तीन लोगों की समझदारी ने दिखाई है। दरअसल, कैंसर मरीज और उसके परिजन घर जाने की बजाए सीधे अस्पताल गए और कोरोना की जांच करवाने के साथ ही वहीं एडमिट हो गए, जहां बाद में तीनों को कोरोना पॉजिटिव पाया गया। ये सभी लोग मुंबई से एंबुलेंस से पटना लौटे थे। उन्हें अशंका थी कि वह कोरोना वायरस की चपेट में आने की आशंका को देखते हुए खुद से ही पीएमसीएच में जांच कराने की मकसद से भर्ती हो गए थे। बता दें कि बिहार में शायद यह पहला मौका है जब असाध्य रोग से जुझ रहे किसी मरीज और उनके परिजनों ने इस तरह की समझदारी दिखा कर बेउर में उनके घर के आसपास रहने वाले पूरे इलाके को बचा लिया। यही नहीं प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग को भी इससे काफ़ी राहत मिली। डीएम कुमार रवि ने कहा कि इन लोगों ने बहुत अच्छा काम किया और एक बड़ी आबादी को कोरोना संकट से बचा लिया। साथ ही उन्होंने दूसरे लोगों से भी अपील की है कि जो भी बाहर से आ रहे हैं चाहे वो कामगार हो या फिर कोई अन्य वो जब भी लौटें तब उन अस्पतालों में भर्ती हो जाएं जहां कोरोना का टेस्ट होता हो। बता दें कि प्रदेश में लगातार कोरोना वायरस के मामले सामने आ रहे हैं। प्रदेश में कोरोना वायरस के 243 मामले हो गए हैं।

पंचायत मुखिया ने पूरे गांव को खुद किया सैनिटाइज

रोहतास । रोहतास जिला के कोचस प्रखंड के नरवर पंचायत की मुखिया सीता यादव जनसेवा में लगी हुई हैं। उन्होंने गांव में मजदूर नहीं मिलने पर पूरे गांव को सैनेटाइज करने का बीड़ा खुद उठा लिया है। पिछले एक सप्ताह से वे अपने पीठ पर सैनिटाइजर का डब्बा बांधकर खुद सैनिटाइज कर रही हैं। सीता यादव के इस जज्बे को देखकर सभी लोग हतप्रभ हैं। पंचायत के कई गांव को अभी तक वे सैनिटाइज कर चुकी हैं। एक महिला जनप्रतिनिधि के इस तरह के कार्य से गांव के लोग खासे प्रभावित हैं। बता दें कि सीता यादव प्रतिदिन सुबह–सुबह अपने चेहरे पर मास्क लगाकर, हाथों में गल्प्स पहनकर खुद अपनी पीठ पर सैनिटाइजर का डब्बा लेकर निकल पड़ती हैं और गलियों में घूम– घूम कर सैनिटरज कर रही हैं। इस मुश्किल समय में जहां ज्यादातर जनप्रतिनिधि सामाजिक सरोकार से दूर हैं। ऐसे में सीता यादव की यह लगनशीलता लोगों को प्रभावित कर रही है। वह घूम– घूम कर अपने पंचायत क्षेत्र में कोरोना वायरस के संक्रमण से बचने के उपाय भी लोगों को बता रही हैंं कि अपने पंचायत की खुद सेवा करने से उन्हें संतुष्टि तो मिलती ही है, साथ ही गांव–गलियों में लोग कैसे रह रहे हैं तथा कोरोना से बचने के उपाय कर रहे हैं या नहीं, इसकी भी उन्हें जानकारी मिल जाती है। बता दें कि बीते दिनों यहां एक महिला पुलिसकर्मी की भी कुछ ऐसी ही कहानी सामने आई थी जो, इस कोरोना महामारी के दौर में ड्यूटी के साथ–साथ मां का फर्ज भी निभा रही है।

टूटी 21 साल पुरानी परंपरा, सामूहिक विवाह में 501जोड़ों का होना था विवाह, राष्ट्रपति का प्रोग्राम रद्द, लाखों शादियां टलीं

लखनऊ । कोरोना प्रकोप को रोकने के लिए देश में लॉकडाउन किया गया है। लॉकडाउन की वजह से अक्षय तृतीया पर होने वाली शादियां कैंसिल करनी पड़ी हैं। और तो और, 5 मई को तो एक सामूहिक विवाह कार्यक्रम में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद भी शामिल होने वाले थे ले. किन अब यह कार्यक्रम भी स्थगित हो गया है।

सामूहिक विवाह समारोह में 501जोड़ों का विवाह होना था। अक्षय तृतीया पर इस बार न शहनाई गूंजी और न ही रोशनी की चकाचौंध दिखी। लॉक. डाउन की वजह से लखनऊ में करीब 550 शादियां स्थगित कर दी गईं हैं। इस महामारी का असर कारोबार पर भी पड़ा है। कारोबारियों के अनुमान के मुताबिक, एक दिन में 150 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ है। इसमें होटल, कैटर्स, वेडिंग प्लानर, सराफा, कपड़ा और कई उद्योग शामिल हैं। उल्लेखनीय सहालग शुरू होने के बाद सबसे ज्यादा शादियां अक्षय तृतीया के दिन ही होती हैं।

सोयना रेजीडेंसी होटल के मालिक और लखनऊ होटल एसोसिएशन के पदाधिकारी राकेश छाबड़ा पम्मी बताते हैं कि उनके यहां की सभी बुकिंग कैंसल हो चुकी है। हर साल केवल जगह की बुकिंग के लिए 50 हजार से 10 लाख रुपए तक लोग खर्च करते हैं। इसके अलावा खाना, सजावट और बाकी खर्च अलग है। निजी के अलावा नगर–निगम और एलडीए के बुकिंग वाले कल्याण मंडप की बुकिंग भी कैंसल हो चुकी हैं।

नगर–निगम मुख्य कर अधिकारी अशोक सिंह बताते हैं कि शासन के आदेश के बाद सभी बुकिंग कैंसल कर दी गई है। अब लॉकडाउन के बाद उनका पैसा भी वापस किया जाएगा। कोई शादी की डेट आगे रखना चाहता है तो उसे वह तारीख भी दी जा सकती है। सीतापुर रोड निवासी ओंकार राय के बेटे की शादी थी। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन से दोनों तरफ से 5–5 लोगों के शामिल होने की अनुमति मांगी गई थी, लेकिन नहीं मिली। दोनों परिवार की आपसी सहमति के बाद अब नवंबर में शादी होगी।

रामचन्द्र बग्घी वाले ने बताया कि तेज सहालग को देखते हुए उन्होंने मुरादाबाद से बग्घियों तक का ऑर्डर दिया था। यही नहीं बैंड भी शाहजहांपुर, बरेली से बुलवाने की व्यवस्था तक कर ली थी।

शास्त्रीनगर दुर्गा मंदिर की ओर से बीते 21 वर्षों से अक्षय तृतीया पर 25 युवतियों का सामूहिक विवाह करवाया जा रहा है। संयोजक के राजेन्द्र गोयल ने बताया कि अब नवंबर में सामूहिक विवाह करवाने का प्रस्ताव रखा गया है। पंडित सियाराम तिवारी ने बताया कि अप्रैल माह में 25, 26, 27 और मई महीने में 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 17, 18, 19, 23 24 शुभ मुहूर्त है। इसके बाद शुक्रास्त हो जाएगा और विवाह के मुहूर्त फिर थम जाएंगे। जून महीने में 13, 14, 15, 19, 20, 25, 27, 28, 29, 30 तक ही विवाह मुहूर्त हैं। एक जुलाई को हरिशयनी एकादशी है। ऐसे में देवोत्थानी एकादशी पर चतुर्मास की समाप्ति पर ही विवाह 25 नवंबर से संभव हो सकेंगे।

बहू ने पहले परिजनों को दिया जहर फिर खुद ने भी खाया

एटा । एटा के एक ही परिवार के पाँच लोगों की मौत के मामला सामने आया है। बताया गया कि घर की बहू ने जहर देकर पहले सबको मारा और फिर खुद जहर खाकर आत्महत्या कर ली। एसएसपी ने बताया कि घर कलह चल रही थी। बहू रुड़की शिफ्ट होना चाहती थी। इसी कारण इस वारदात को अंजाम दिया गया। जांच के दौरान पुलिस को घर से हारपिक और सल्फास की डिब्बी भी मिली थी।

बताया गया कि कोतवाली नगर के मोहल्ला शृंगार नगर में रिटायर्ड स्वास्थ्यकर्मी राजेश्वर प्रसाद पचौरी पुत्र रामप्रसाद पचौरी रहते थे। उनकी पुत्रवधू दिव्या पत्नी दिवाकर, नाती आरुष आरव (एक) रहते थे। कुछ दिन पूर्व बेटे की साली बुलबुल निवासी सोनई निवासी सोनई, हाथरस भी आ गई थी। दूध देने के लिए महिला आई थी। महिला ने गेट खटखटाया तो कोई आवाज नहीं आई। उसने अंदर झांककर देखा तो गेट के पास ही चारपाई पर दिव्या की लाश पड़ी दिखाई दी। यह देख वह चीख निकल गई। इस मामले की जानकारी आसपास के लोगों को दी गई।

फिर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने गैस कटर से गेट काटकर अंदर जाकर देखा तो सभी मृत पड़े थे। यह हाल देख कोहराम मच गया। मौके पर एसएसपी सुनील कुमार सिंह, डीएम सुखलाल भारती, एडीएम प्रशासन विवेक मिश्रा, एएसपी संजय कुमार, सदर विधायक विपिन वर्मा डेविड आदि लोग पहुंच गए। फिलहाल पुलिस ने मामले की डॉग स्क्वाउड आदि से जांच कराई है।

नोएडा के 40 हॉटस्पॉट में से 10 ग्रीन जोन घोषित, अभी 17 रेड जोन में

नोएडा । नोएडा में शनिवार को कोरोना के तीन नए मामले सामने आए। साथ ही जिले में कुल संक्रमितों की संख्या 112 हो गई है। इनमें से 59 लोग संक्रमण मुक्त होकर घर जा चुके हैं। 53 लगोों को विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। शनिवार को संक्रमित पाए गए तीनों नए मरीजों को ग्रेटर नोएडा के शारदा अस्पताल में भर्ती किया है। नोएडा जिला सूचना अधिकारी राकेश चौहान का कहना है कि जिले में कुल 40 स्थानों को हॉटस्पॉट के रूप में चिह्नित किया गया था। फिलहाल इनमें से 17 रेड जोन, 13 ऑरेंज जोन में और 10 ग्रीन जोन में हैं। सरकार की ओर से जारी दिशा निर्देश के अनुसार, जिस हॉटस्पॉट में पिछले 28 दिन में कोविड–19 का एक भी नया मामला नहीं आया है, उसे ग्रीन जोन में रखा जा रहा है, वहां लॉकडाउन के दौरान लागू होने वाले सामान्य निर्देश प्रभावी होंगे।

– रेड जोन इलाकों में कर्फ्यू लागू

जिन जगहों पर 14 दिन से कोई मरीज नहीं मिला है, उसे ऑरेंज जोन में रखा जाएगा और वहां के लोगों को थोड़ी–बहुत रियायतें मिलेंगी। जिन जगहों पर 14 दिन के भीतर नया मामला आया है उसे रेड जोन में रखा जाएगा और वहां कर्फ्यू लागू रहेगा। वहां के निवासियों को घर से बाहर निकलने पर पूर्ण पाबंदी होगी और जरूरत की चीजें होम डिलीवरी के माध्यम से पहुंचाई जाएंगी। कोरोना वायरस संक्रमण का प्रसार रोकने के लिए दिल्ली से नोएडा में प्रवेश पूरी तरह से बंद किया गया है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा जारी पास के आधार पर ही डॉक्टर, मीडियाकर्मी और कोविड–19 के उपचार से जुड़े स्वास्थ्य कर्मी व आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं से जुड़े लोग दिल्ली से यहां आ–जा रहे हैं।

– घोषित किए ग्रीन जोन इलाके

जिला अधिकारी सुहास एलवाई का कहना है कि जहां भी कोरोना वायरस संक्रमण के मामले आए हैं उन जगहों को हॉटस्पॉट घोषित करके, उन्हें सील किया गया है, उन्हें संक्रमण मुक्त किया है। नोएडा के हाइट पार्क सेक्टर 78, लोटस स्पेशिया सेक्टर 100, अल्फा –1 ग्रेटर नोएडा, सेक्टर 22 चौड़ा गांव, एटीएस डॉल्से ग्रेटर नोएडा, एस्स गोल्फशायर सेक्टर 150, सेक्टर 44 नोएडा, विलेज विश्नोली पोस्ट दुजाना ग्रेटर नोएडा, जेपी विश टाउन सेक्टर 128 नोएडा और ओमी क्रांन सेक्टर 3 ग्रेटर नोएडा को ग्रीन जोन घोषित किया गया है।

चंदौली में पेड़ से लटक कर प्रेमी युगल ने दी जान

चंदौली । चंदौली में शादी के लिए परिजनों के तैयार नहीं होने पर एक प्रेमी युगल ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिए हैं। बताया गया कि जीरिया पहाड़ी के समीप एक बबूल के पेड़ से लटक रहा युगल का शव मिला। दोनों के शव साड़ी के फंदे से लटक रहे थे। इस घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। क्षेत्रीय नागरिकों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से दोनों का शव पेड़ से उतारा और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। दरअसल, दोनों के बीच पिछले कई सालों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों एक–दूसरे से शादी करना चाहते थे, लेकिन युवक के परिजनों ने उसकी शादी कहीं और तय कर दी थी। पुलिस युवक और युवती, दोनों के परिजनों से पूछताछ कर रही है। इस संबंध में एडिशनल एसपी नक्सल बीरेंद्र यादव ने कहा कि दोनों के परिजन भी इसे आत्महत्या मान रहे हैं।

यूपी में 45 विदेशी जमातियों के खिलाफ एफआईआर, 259 पासपोर्ट जब्त

लखनऊ । उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोविड अस्पतालों की श्रृंखला तैयार करने, चिकित्सालयों में ऑक्सीजन की नियमित व सुचारू आपूर्ति बनाये रखने तथा ट्रेनिंग को और गति देने का निर्देश दिए हैं। उन्होंने निर्देश दिया है कि मेडिकल शिक्षा के विद्यार्थियों तथा आयुष आदि चिकित्सकों की भी मेडिकल ट्रेनिंग करायी जाए। वहीं दूसरी ओर उप्र सरकार ने तब्लीगी जमात के 2896 लोगों को चिन्हित कर उनका टेस्ट किया गया है। सभी 325 विदेशी व्यक्तियों का चिकित्सकीय परीक्षण करके क्वारेंटाइन किया गया है। तब्लीगी जमात के 45 विदेशी सदस्यों पर एफआईआर दर्ज की गई है तथा 259 पासपोर्ट जब्त किये गये हैं।

अपर मुख्य सचिव सूचना एवं गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने शनिवार को यहां संवाददाताओं को बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोविड अस्पतालों की श्रृंखला तैयार करने, चिकित्सालयों में ऑक्सीजन की नियमित व सुचारू आपूर्ति बनाये रखने तथा ट्रेनिंग को और गति देने का निर्देश दिया है। उन्होंने निर्देश दिया है कि मेडिकल शिक्षा के विद्यार्थियों तथा आयुष आदि चिकित्सकों की भी मेडिकल ट्रेनिंग करायी जाए। उन्होंने एल–1, एल–2 तथा एल–3 अस्पतालों की संख्या में वृद्धि करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक जनपद में एक अतिरिक्त सीएचसी को एल–1 अस्पताल के तौर पर तैयार किया जाए। इस कार्य को समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित कराने के लिए एक अधिकारी को नामित किया जाए।

अपर मुख्य सचिव ने बताया कि कोरोना वायरस के दृष्टिगत प्रदेश में लॉक डाउन अवधि में पुलिस विभाग द्वारा की गयी कार्यवाही में अब तक धारा 188 के तहत 30,163 लोगों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज की गई। प्रदेश में अब तक 24,43,149 वाहनों की सघन चेकिंग में 31,183 वाहन सीज किये गये। चेकिंग अभियान के दौरान 11,69,51,302 रूपए का शमन शुल्क वसूल किया गया। आवश्यक सेवाओं हेतु कुल 1,79,090 वाहनों के परमिट जारी किये गये हैं। उन्होंने बताया कि कालाबाजारी एवं जमाखोरी करने वाले 679 लोगों के खिलाफ 539 एफआईआर दर्ज करते हुए 242 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 389 हॉटस्पॉट क्षेत्र के 234 थानान्तर्गत 6,24,978 मकान चिन्हित किये गये। इनमें 35,78,339 लोगों को चिन्हित किया गया है। इन हॉटस्पॉट क्षेत्रों में कोरोना पॉजिटिव पाये गये लोगों की संख्या 1373 है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार फेक न्यूज पर कड़ाई से नजर रख रही है। फेक न्यूज के तहत अब तक 528 मामलों का संज्ञान में लेते हुए साइबर सेल को सूचित किया गया है। उन्होंने बताया कि तब्लीगी जमात के 2896 लोगों को चिन्हित कर उनका टेस्ट किया गया है। सभी 325 विदेशी व्यक्तियों का चिकित्सकीय परीक्षण करके क्वारेंटाइन किया गया है। तब्लीगी जमात के 45 विदेशी सदस्यों पर एफआईआर दर्ज की गई है तथा 259 पासपोर्ट

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अभिनेत्री शिल्पा और उनके पति राज कुंद्रा ने टिकटॉक के अपने नए वीडियो में कुछ पंजाबी डांस मूव्स दिखाए हैं।

इस वीडियो के कैप्शन में उन्हा.ंने लिखा है कि ष्अगर आप खुश हैं, और आपको पता है तो बस बल्ले बल्ले करो।ष बता दें कि यह जोड़ी लॉकडाउन के दौरान कुछ मजेदार डांस के जरिए अपना वक्त काट रहा है और उनके फिटनेस का सीक्रेट सिर्फ डांस ही नहीं है। दरअसल, हाल ही में शिल्पा ने अपने और अपने परिवार का वर्कआउट शेड्यूल साझा किया था, जिसका वे अनुसरण करते हैं। पति राज और बेटे वियान के साथ वर्कआउट सेशन की झलकी पेश करते हुए शिल्पा ने लिखा था कि ष्मैंने कुछ दिनों पहले वियान के साथ थोड़ा वर्कआउट मस्ती किया था और फिर मुझसे पूरे वर्क.आउट वीडियो की मांग की गई थी। हालांकि मेरे पास वर्कआउट का पूरा वीडियो नहीं है, लेकिन मेरे आर्काइव से मुझे जो भी कुछ मिला है, वह मैं साझा कर रही हूं। मैं वास्तव में मानती हूं कि जो परिवार साथ में खाना खाता है, प्रार्थना करता है और एक साथ काम करता है, वह हमेशा एकजुट साथ रहता है!

यामी ने स्कूल के पहले दिन की तस्वीर की शेयर

अभिनेत्री यामी गौतम ने हाल में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने स्कूल के पहले दिन की फोटो शेयर की है। जिसमें में वह ग्रे ट्यूनिक में स्कूल का आईकार्ड लगाए पूरी तरह से स्कूल जाने के लिए तैयार हैं, इस फोटो के कैप्शन में उन्होंने लिखा कि ष्स्कूल का मेरा पहला दिन, मैं यकीन के साथ कह सकती हूं कि मुझे नहीं पता था कि यह कितना मायने रखता है लेकिन मैं यूनिफॉर्म में तैयार होकर उत्सा.हित थी और देखने के लिए बेसब्र थी कि मेरे मां पापा मुझे कहा ले जा रहे हैं, और मेरी यह जिज्ञासा हमेशा बनी रही।ष्इसके साथ ही उन्होंने अपने फॉलोवर्स से जिंदगी के हर पल को जीने के लिए भी कहा। उन्होंने ने आगे लिखा, ष्जीवन के हर पल को हमें उत्सा.हित करने दें, कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह हमें कहां ले जाती है, बस विश्वास करो, इसे गले लगाओ और चलते रहो है शटैग घर पर रहें है शटैग सुरक्षित रहें।

मानुषी छिल्लर बोली मुफ्त दिए जाए सैनिटरी पैड

पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर ने राज्य सरकारों से वंचितों को दैनिक राशन के साथ ही सैनिटरी पैड बांटने का भी आग्रह किया है।

मानुषी ने कहा कि सार्स-कोविड-२ के कारण दिहाड़ी कामगारों के हा.थों में धन की कमी के कारण वंचित महिलाओं को गंभीर जोखिम हो गया है। उन्होंने कहा कि ष्मैं बहुत शुक्रगुजार हूं कि सार्स-कोविड-२ संकट के दौरान भारत सरकार द्वारा सैनिटरी पैड को एक आवश्यक वस्तु के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। हालांकि, हमें इस बात पर ध्यान देने की आवश्यकता है कि महिलाएं, विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर तबके से, मुफ्त में पैड प्राप्त कर सकें। मैं विभिन्न राज्यों की सरकारों से भी आग्रह करती हूं कि वे दैनिक राशन के साथ-साथ वंचितों को सैनिटरी पैड वितरित करने की कृपा करें।ष बता दें कि मानुषी इस साल के अंत में अक्षय कुमार के साथ ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्म 'पृथ्वीराज' से बॉलीवुड में कदम रखने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

हाल में बॉलीवुड अभिनेत्री जॉन्हवी कपूर ने एक फोटो साझा की है, जिसमें वे सूर्य को चूमती सी नजर आ रही हैं। जिसे उनके प्रशंसक और फॉलोअर्स बहुत पसंद कर रहे हैं। बता दें कि जान्हवी ने इंस्टाग्राम स्टा.रीज पर यह तस्वीर साझा की है। इस फोटो में, सूरज की किरणें उनके चेहरे की चमक में इजाफा कर रही हैं। हालांकि जान्हवी कपूर के बचपन का यह फोटो उनकी मां दिवंगत सुपरस्टार श्रीदेवी द्वारा कुछ साल पहले पोस्ट की गईं थी। २०१६ में श्रीदेवी ने ट्विटर पर जो तस्वीर पोस्ट की थी उसमें जान्हवी एक छोटी बच्ची के रूप में हैं। वह लाल बिंदी और एक सोने की चेन से खेलती हुई बहुत प्यारी लग रही हैं। वहीं, हाल ही में जान्हवी ने २००६ की फिल्म 'उमराव जान' के लोकप्रिय गाने 'सलाम' को री-क्रिएट किया था। जान्हवी इंस्टाग्राम पर जेपी दत्ता की फिल्म के गाने 'सलाम' पर कथक करती नजर आईं। वहीं, अब जान्हवी 'गुंजन सक्सेनाः द कारगिल गर्ल', 'रूहीअफ्जा' 'तख्त' और 'दोस्ताना २' में दिखाई देंगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मारुति सुजुकी ने ऑल्टो के10 को वेबसाइट से हटाया कार का स्टॉक गत दिसंबर में ही कर चुके थे खत्म

नई दिल्ली । अपनी ऑफिशल वेबसाइट से मारुति सुजुकी ने ऑल्टो के10 मॉडल को हटा दिया है। इस कार को मारुति ने बीएस6 अपग्रेड नहीं किया था, जबकि कंपनी की बाकी कारें अब बीएस6 कम्प्लायंट हैं। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि कंपनी के ज्यादातर डीलर बीएस4 मारुति सुजुकी ऑल्टो के10 का स्टॉक दिसंबर में ही खत्म कर चुके थे और इसकी बुकिंग भी बंद कर दी थी। बताया जा रहा है कंपनी ने मारुति ऑल्टो के10 को बंद कर दिया है, परंतु मारुति सुजुकी ने ऑल्टो के10 को बंद करने की अभी ऑफिशली घोषणा नहीं की है। ऑल्टो के10 वाला 1.0–लीटर पेट्रोल इंजन मारुति एस–प्रेसो, सिलेरियो और वैगनआर में भी दिया गया है। इन तीनों कारों में यह इंजन अब बीएस6 कम्प्लायंट है। ऑल्टो के10 में यह इंजन पेट्रोल वर्जन में 23,95 किलोमीटर प्रति लीटर और सीएनजी वर्जन में 32,26 किलोमीटर प्रति किलोग्राम का माइलेज देता था। मालूम हो ?कि साल 2010 में मारुति ऑल्टो के10 को भारतीय बाजार में लॉन्च किया गया था। 2014 में इसका फेसलिफ्ट मॉडल लॉन्च हुआ, जिसमें कार के लुक और फीचर्स में बड़े देखने को मिले। इसके बाद 2019 में इस कार में अनिवार्य सेफ्टी फीचर दिए गए, जिनमें एबीएस, ईबीडी, रियर पार्किंग सेंसर्स, सीट बेल्ट रिमाइंडर, ड्राइवर साइड एयरबैग और स्पीड अलर्ट जैसे फीचर शामिल हैं। मारुति ऑल्टो के10 में बीएस4 कम्प्लायंट 998सीसी के10बी पेट्रोल इंजन दिया गया था। यह इंजन 6,000 आरपीएम पर 67 बीएचपी का पावर और 3,500 आरपीएम पर 90 एनएम टॉर्क जेनरेट करता है। इसके साथ 5–स्पीड मैन्युअल और 5–स्पीड एएमटी गियरबॉक्स के ऑप्शन थे। मारुति की यह कार सीएनजी वर्जन में भी उपलब्ध थी, जिसमें फैक्ट्री–फिटेड सीएनजी किट दिया गया था।

लॉकडाउन के बीच जियो का 'धमाका'! दूसरों का रिचार्ज कर ग्राहक कमा सकते हैं मुनाफा

नई दिल्ली । लॉकडाउन के बीच जियो बड़ा 'धमाका' करने जा रही है। रिलायंस जियो के ग्राहक अपने नेटवर्क पर अब दूसरे उपभोक्ताओं के अकाउंट को भी रिचार्ज कर सकेंगे, जिसके लिए उन्हें कैशबैक भी मिलेगा। जियो ने हाल ही में 'जियो एसोसिएट प्रोग्राम' की शुरुआत की है, जिसके तहत यूज़र्स को अपने दोस्त, रिश्तेदार या करीबी का रिचार्ज कराने पर कमाई करने का मौका मिलेगा। मिली जानकारी के अनुसार इसके लिए उन्हें करीब 4फीसदी का कमीशन मिलेगा। वे अन्य उपभोक्ताओं के खातों का रिचार्ज एक मोबाइल ऐप के ज़रिए कर सकेंगे। जियो ने ये कदम ऐसे समय में उठाया है जबकि कोरोना वायरस की वजह से लागू लॉकडाउन के चलते बहुत से लोग अपने फोन को रिचार्ज नहीं कर पा रहे हैं। इसके अलावा कोरोना वायरस के चलते लॉकडाउन–2.0 जैसी मुश्किल घड़ी में रिलायंस जियो एक बार फिर ग्राहकों का सहारा बनकर सामने आया है। रिलायंस जियो ने बताया कि लॉकडाउन के दौरान उसके ग्राहकों को इनकमिंग कॉलिंग की सुविधा मिलती रहेगी। इससे ना सिर्फ कम कमाने वाले लोगों को फायदा होगा, बल्कि उन ग्राहकों को भी आसानी होगी जो लॉकडा. उन के चलते घर से बाहर जाकर रिचार्ज नहीं करा सकते हैं। यानी कि जो उपभोक्ता रिचार्ज नहीं करा पाए हैं, उन्हें लॉकडाउन के समाप्त होने तक इनकमिंग सुविधा मिलती रहेगी। माईजियो और जियो डॉट कॉम हमेशा हर जियो यूज़र को एक दूसरे से कनेक्ट रखने में मदद करता है।

पीएनबी ने कहा, आईएमपीएस फंड ट्रांसफर पर अब कोई चार्ज नहीं

नई दिल्ली । सार्वजानिक क्षेत्र के दूसरे सबसे बड़े बैंक ने अपने लाखों ग्राहकों को बड़ी राहत दी है। पंजाब नैशनल बैंक ने कोरोना के कारण जारी लॉकडाउन के बीच डिजिटल ट्रांजैक्शन को बढ़ावा देने और ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आईएमपीएस फंड ट्रांसफर चार्ज को माफ कर दिया है। बैंक के ट्वीट के मुताबिक, पीएनबी के ग्राहक अगर इंटरनेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग एप का इस्तेमाल कर आईएमपीएस फंड ट्रांसफर करते हैं,तब उन्हें कोई चार्ज नहीं लगेगा। अब पीएनबी के ग्राहक आईएमपीएस, एनईएफटी , आरटीजीएस, यूपीआई से अगर ट्रांजैक्शन करते हैं,तब यह सेवा पूरी तरह शुल्क रहित है। बता दें आईएमपीएस के जरिए एक अकाउंट से दूसरे अकाउंट में तुरंत पैसा ट्रांसफर हो जाता है। हालांकि यह चार्जेबल सर्विस है जिसके लिए 2–10 रुपये तक वसूली की जाती है। आईएमपीएस सर्विस का लाभ 24 घंटे उठाया जा सकता है। पिछले दिनों ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स और यूना. इटेड बैंक ऑफ इंडिया का पीएनबी में विलय कर दिया गया था, जिसके बाद यह देश का दूसरा सबसे बड़ा सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक है जिसका कुल कारोबार 18 लाख करोड़ का है। पूरे देश में इसके 11 हजार से ज्यादा ब्रांच और 13 हजार से ज्यादा एटीएम हैं।

आईपीजीए ने पीएम–केयर्स कोष में 21 लाख रुपये दिए

नई दिल्ली । भारतीय दलहन एवं अनाज संघ (आईपीजीए) ने कोविड–19 संकट से निपटने के लिए पीएम–केयर्स फंड में 21 लाख का योगदान देने की घोषणा की है। संघ ने कहा,आईपीजीए ने पीएम–केयर्स कोष में 21 लाख रुपये देने का फैसला किया है। इसके अलावा हमारे सदस्यों ने कोष में अलग से भी योगदान किया है। आईपीजीए इसके अलावा कोरोना वायरस से निपटने में लगे लोगों तथा नियंत्रण वाले क्षेत्रों में फंसे प्रवासी मजदूरों और उनके परिवारों की भी मदद कर रहा है। इसके लिए वह 6,000 बैग उपलब्ध करा रहा है। एक राशन बैग में पांच किलो आटा, दो किलो दाल, एक लीटर पकाने का तेल, एक किलो चीनी और एक किलो नमक दिया जा रहा है।

बजाज प्लैटिना 110 की कीमत अब 59,802 रुपये बाइक सिर्फ एक वेरियंट– डिस्क ब्रेक में उपलब्ध

नई दिल्ली । ऑटोमोबाइल कंपनी बजाज ऑटो ने बीएस6 कम्प्लायंट प्लैटिना 110 एच–गीयर प्रस्तुत की है ?जिसकी कीमत 59,802 रुपये है।अब यह बाइक सिर्फ एक वेरियंट–डिस्क ब्रेक में उपलब्ध है, जबकि ड्रम ब्रेक वेरियंट को बंद कर दिया गया है। बीएस4 मॉडल के मुकाबले बीएस6 प्लैटिना 110 एच–गियर की कीमत 3,431 रुपये है। बीएस4 डिस्क वेरियंट की कीमत 56,371 रुपये थी। अपडेटेड बजाज प्लैटिना 110 एच–गियर में सबसे बड़ा बदलाव इसके इंजन में हुआ है। बाइक में पहले वाला 115सीसी, सिंगल–सिलिंडर, एयर–कूल्ड इंजन है, जो अब बीएस6 कम्प्लायंट है। अपडेटेड इंजन 8,44 एचपी का पावर और 9,81 एनएम टॉर्क जेनरेट करता है। इंजन 5–स्पीड ट्रांसमिशन से लैस है। बीएस4 वर्जन के मुकाबले बीएस6 इंजन का पावर थोड़ा कम है। बीएस4 वर्जन में यह 8,5 एचपी का पावर जेनरेट करता था। बीएस6 इंजन के अलावा प्लैटिन 110 एच–गियर में कोई बदलाव नहीं हुआ है, यानी इसकी डिजाइन, साइकल पार्ट्स और फीचर्स पहले की तरह ही हैं। बजाज प्लैटिना110 एच–गियर के फ्रंट में टेलेस्कोपिक फोर्क्स और रियर में नाइट्रॉक्स–चार्ज्ड ट्विन स्प्रिंग शॉक अब्जॉर्बर्स सस्पेंशन सिस्टम दिए गए हैं। ब्रेकिंग की बात करें, तो फ्रंट में 240 एमएम डिस्क ब्रेक और रियर में 110 एमएम ड्रम ब्रेक हैं। बाइक दो कलर ऑप्शन–ब्लैक और रेड में उपलब्ध है। इस कम्यूटर बाइक में एलईडी डीआरएल के साथ हैलोजन हेडलैम्प, ब्लैक अलॉय वील्ज और गियर शिफ्ट गाइड के साथ डिजिटल–एनालॉग इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर मिलते हैं।

एचडीएफसी ने रिलायंस कैपिटल में 6.43 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी

नई दिल्ली । आवास रिण कारोबारी एचडीएफसी ने बताया कि उसने रिलायंस कैपिटल के अपने पास गिरवी रखे शेयरों को शर्त के अनुसार अपने काम करते हुए उसकी 6.43 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है। एचडीएफसी लिमिटेड ने शनिवार को नियामकीय सूचना में कहा है कि कंपनी ने इन शेयरों को गिरवी रख कर उससे सामान्य व्यावसायिक तरीके से कर्ज लिए थे। कंपनी की ओर से प्रतिभूति ट्रस्टी ने इन शेयरों को एचडीएफसी के पास बंधक रखा था। इस कदम से एचडीएफसी लिमिटेड ने रिलायंस कैपिटल के 10 रुपये मूल्य वाले 25.27 करोड़ शेयरों का अधिग्रहण कर लिया है। इन शेयरों का कुल मूल्य 252 करोड़ है। एचडीएफसी ने कहा है कि इस संबंध में 27 मार्च को पहले ही जरूरी जानकारी दे दी गई थी और अब जबकि ये शेयर कंपनी के खाते में आ चुके हैं, एक बार फिर यह जानकारी दी जा रही है।

दुकानें दोबारा खोलने के नियमों में अधिक स्पष्टता की जरूरत : आरएआई

नई दिल्ली । खुदरा कारोबार करने वाली फर्मों के संगठन रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आरएआई) ने कहा कि गली–मोहल्ले में स्वतंत्र रुप से चल रही परचून की दुकानों को खोलने की अनुमति और स्पष्ट करने की जरूरत है। संगठन का कहना है कि इस आदेश की भाषा की अलग अलग व्याख्या करने की संभावना है।आरएआई ने कहा कि मौजूदा हालातों को देखकर लॉकडाउन के दौरान अनिवार्य वस्तुओं की बिक्री करने वाली खुदरा दुकानों को खोलने के अनुभवों का फायदा उठाकर सरकार को सभी तरह के खुदरा दुकानों को खोलने के बारे में सोचना चाहिए। कहना है कि माल को भी खोलने की अनुमति होनी चाहिए।

सरकार ने नगर निकाय क्षेत्रों में आवासीय परिसरों में स्थित दुकानों सहित गली मोहल्ले में अलग–अलग स्वतंत्र रूप से चलने वाली दुकानों को खोलने की अनुमति शुक्रवार रात को दी। हालांकि दुकानदारों को अनिवार्य सावधानी बरतनी होगी, साथ ही ५० प्रतिशत कर्मचारियों के साथ ही काम करना होगा। गृह सचिव अजय भल्ला ने सरकारी आदेश जारी किया। इसके अनुसार नगर निकायों के दायरे में आने वाले बाजार, बहुब्रांड और एकल ब्रांड मॉल इत्यादि तीन मई तक बंद रहेगी। आरएआई ने कहा, हमारा सुझाव है कि सरकार को जब सुरक्षित महसूस हो, उस दिन सामुदायिक दूरी नियमों के साथ सभी तरह के खुदरा क्षेत्र को खोल दे। आरएआई ने सरकार से मॉल खोलने की भी अनुमति देने को कहा। आरएआई ने कहा, मौजूदा सरकारी आदेश की अलग–अलग व्याख्या की जा सकती है। इसके आसानी से अनुपालन के लिए इसे अधिक स्पष्ट बनाने की जरूरत है। बाजार परिसर जैसे शब्द आसानी से समझ आने वाले नहीं हैं।''

एयरलाइंस की इकोनॉमी क्लास में किए जा सकते हैं कुछ संभावित बदलाव

नई दिल्ली । सोषल डिस्टेंसिंग को बढ़ावा देने के लिए एयरलाइंस में मिडिल सीट्स को हटाया जा सकता है। जानकारी के मुता?बिक एयरप्लेन्स के इंटीरियर डिजाइन पर काम करने वाली एक कंपनी नए कॉन्सेप्ट्स लेकर आई है, जिसके तहत इकोनॉमी क्लास में कुछ संभावित बदलाव किए जा सकते हैं। इटालियन डिजाइनर्स ने इकोनॉमी क्लास के लिए दो नए सीट डिजाइन कॉन्सेप्ट भी पेष किए हैं। इस डिजाइन को कुछ इस तरह से तैयार किया गया ताकि नई जरूरतों के आधार पर दो पैसेंजर्स के बीच सोषल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखा जा सके। इस डिजाइन की सबसे खास बात है कि इसमें ऑनबोर्ड स्पेस में ज्यादा कुछ बदलाव नहीं किया गया है। इस कंपनी ने एक डिजाइन का नाम रोम के प्राचीन भगवान के नाम पर रखा है, जिसमें एक सीट पर ही दो तरफ से बैठने की सुविधा होगी और इसकी सफाई भी आसानी से की जा सकेगी। अगर इस कॉन्सेप्ट को एयरलाइन कंपनियां अपनाती हैं तो इन सीट्स को तैयार करने के लिए सुरक्षित मैटेरियल का भी इस्तेमाल किया जाएगा ताकि हाइजिन का भी ख्याल रखा जा सके। प्रमुख तौर पर यह 3 पंक्तियों वाली सीट का सेटअप होगा जिसमें बीच में बैठने वाला पैसेंजर विपरित दिषा में बैठेगा। वहीं इस पंक्ति में आइल और विंडो सीट पर बैठने वाले पैसेंजर एक दिषा में बैठेंगे। इस सेटअप की मदद से दो पैसेंजर्स के बीच पर्याप्त दूरी होगी। इसके अलावा दूसरे डिजाइन में हर सीट पर तीन तरफ से फिक्स्ड षील्ड भी लगाया जाएगा। ये षील्ड ट्रांसपेरेंट मैटेरियल से बनाए जाएंगे। हालांकि, अभी तक इस कंपनी ने साफ नहीं किया है कि इस डिजाइन की सीट्स को पूरे केबिन में लगाया जाएगा या नहीं। एवियोइंटीरियर्स ने बताया कि जब एक बार सभी डिजाइन फेज को तैयार कर लिया जाएगा, उसके बाद इन्हें एविएषन रेग्युलेटर्स से मंजूरी लेनी होगी। कंपनी का कहना है कि अगले 8 से 11 महीनों में इस डिजाइन को रोलआउट किया जा सकता है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बनासकांठा के 2 लाख पशुपालकों ने प्रधानमंत्री राहत कोष में दिए 7.14 करोड़

अहमदाबाद। वैश्विक महामारी कोरोना के खिलाफ गुजरात समेत पूरा देश जूझ रहा है। गुजरात में खासकर अहमदाबाद और सूरत में कोरोना मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। कोरोना को मात देने और राज्य समेत देश की मदद के लिए गुजरात की अनेक धार्मिक अन्य संस्थाएं आगे आई हैं। जिसमें गुजरात के पशुपालक भी पीछे नहीं हैं। बनास डेयरी के पशुपालकों को प्रधानमंत्री राहत कोष में बड़ा योगदान दिया है। बनासकांठा जिले के दो लाख से भी अधिक पशुपालकों ने मिलकर प्रधानमंत्री राहत कोष में रु. 7.14 करोड़ रुपए का दान किया है। बनास डेयरी के चेयरमैन शंकर चौधारी के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक महामारी कोरोना के खिलाफ लड़ाई में प्रधानमंत्री राहत कोष में देशवासियों से मदद की अपील की थी। पीएम मोदी की अपील पर देशवासियों ने अपनी क्षमता के मुताबिक प्रधानमंत्री राहत कोष में योगदान दिया। अब बनासकांठा जिले के 2 लाख पशुपालकों ने मिलकर रु. 7,14,89,489 रुपए एकत्र कर प्रधानमंत्री राहत कोष में दान दिए हैं। शंकर चौधरी ने कहा कि इसके लिए सभी पुशुपालकों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

अहमदाबाद, वडोदरा, राजकोट और सूरत में 3 मई तक नहीं खुलेंगी दुकानें

अहमदाबाद । राज्य के चार महानगरों अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत और राजकोट में आगामी 3 मई तक समग्रतया दुकानों को खोलने नहीं दिया जाएगा। मुख्यमंत्री के सचिव अश्विनी कुमार ने रविवार को गांधीनगर में राज्य सरकार के इस महत्वपूर्ण निर्णय की जानकारी मीडिया को दी। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि इन चारों महानगरों के महानगरपालिका आयुक्तों और जिला कलक्टरों ने स्थानीय व्यापारियों के साथ विचार–विमर्श किया है।

इस चर्चा के बाद राज्य सरकार के साथ परामर्श करने के बाद मनपा आयुक्तों और कलक्टरों ने संयुक्त रूप से यह निर्णय किया है कि वर्तमान परिस्थिति में आगामी 3 मई तक इन चारों महानगरों में दुकानें बंद रखी जाएंगी। उन्होंने साफ कहा कि लॉकडाउन के दौरान इन महानगरों में पहले से खुली दूध, किराना, सब्जी और दवाई जैसी जीवन आवश्यक वस्तुओं की दुकानें ही केवल खुली रहेंगी। मुख्यमंत्री के सचिव ने कहा कि राज्य के जिन अन्य क्षेत्रों व जिलों में रविवार, 26 अप्रैल से व्यापार–व्यवसाय शुरू करने की राज्य सरकार ने अनुमति प्रदान की है, उसमें भी मॉल, मार्केट कॉम्प्लेक्स, हेयर कटिंग सैलून, ब्यूटी पार्लर, पान–सिगरेट की दुकान, टी स्टॉल, होटल व रेस्तरां शुरू नहीं किए जा सकेंगे। इसके अलावा, टैक्सी सेवाएं, ऑटो रिक्शा सेवाएं, उबर

कोरोना मरीजों के कपड़ों की धुलाई के लिए 6 करोड़ के खर्च से लोन्ड्री शुरू

अहमदाबाद । शहर के 1200 बेडवाले कोविड–19 अस्पताल में कोरोना मरीजों और मेडिकल स्टाफ के कपड़े, चद्दर इत्यादि को किटाणु मुक्त करने के लिए 6 करोड़ रुपए की लागत से लोन्ड्री शुरू की गई है। कोरोनाग्रस्त मरीजों के कपड़े संक्रमित होने से उसे फैंकना पड़े या जला देना पड़े। कपड़े फैंकने पर कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने का खतरा है और यदि रोज जला दिए जाएं तो प्रति दिन नए कपड़े खरीदने पड़ेंद्य इस समस्या से निपटने के लिए अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में बने कोविड 19 अस्पताल में रु. 6 करोड़ की लागत से लोन्ड्री शुरू की गई है।जिसमें मरीजों के कपड़े, टॉवेल, ब्लैन्केट और मेडिकल–पेरा मेडिकल स्टाफ के कपड़े वॉशिंग करने और स्टरलाइजेशन करने की व्यवस्था है। प्रति स्टरलाइजेशन रु. 1 करोड़ की लागत वाले चार स्टरलाइजेशन मशीन लगाए गए हैंद्य इस मशीन में 121 डिग्री तापमान में कपड़ों को 45 मिनट तक रखा जाता है, ताकि उसमें वायरस या किटाणु नष्ट हो जाएद्य इसके अलावा कपड़े की धुलाई के लिए अलग लोन्ड्री बनाई गई है, जहां किटाण नाशक कैमिकलयुक्त पानी से कपड़ों की धुलाई की जाती हैद्य स्टरलाइज होने के बाद कपड़ों को ऑटोमेटिक मशीन के जरिए बाहर भेजा जाता है। ताकि उसे लेने वाले व्यक्ति संक्रमित न हो या वॉशिंग एरिया में उसके संक्रमण को खतरा कम रहे। जहां कपड़े स्टरलाइज किए जाते हैं

डीजीपी की लॉकडाउन में आंशिक छूट का दुरुपयोग न करने की चेतावनी

अहमदाबाद । गुजरात के पुलिस महानिदेशक ने रविवार से मिली आंशिक छूट का दुरुपयोग नहीं करने की चेतावनी देते हुए कहा कि इस दौरान केवल निजी वाहनों को मंजूरी दी गई हैद्य जिन दुकानों को खोलने की मंजूरी मिली है वह सोशल डिस्टन्स पालन करें और करवाएंद्य जीवनावश्यक चीजवस्तुओं के परिवहन के लिए केवल निजी वाहनों को छूट दी गई हैद्य यदि ऑटो रिक्शा या टैक्सी जैसे वाहनों में चीजवस्तुओं का परिवहन किया जाएगा तो वाहन जब्त किए जाएंगेद्य उन्होंने कहा कि लॉकडाउन का कड़ाई से अमल जारी रहेगा और इसका उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगीद्य शिवानंद झा ने भीड़ न करने की लोगों से अपील करते हुए कहा कि यदि भीड़ होती है तो 100 नंबर डायल कर तुरंत पुलिस को सूचना दें। पुलिस भी लगातार इस पर नजर रख रही है और नियमों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। लॉकडाउन के दौरान बेवजह घूमते लोगों के वाहनों को भी जब्त किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कल तक राज्य में कुल 10488 वाहनों को पुलिस ने जब्त किएद्य बीते दिन जब्त किए गए 5678 वाहनों को मुक्त भी किया गया है । राज्य में लॉकडाउन मुक्ति के पास के दुरुपयोग का उल्लेख करते हुए झा ने कहा कि ऐसे लोगों के पकड़े जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगीद्य उन्होंने कहा कि पिछले 24 घंटों के दौरान सीसीटीवी के आधार पर 34 मामले दर्ज कर 60 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा ड्रोन की मदद से बीते दिन 363 मामले दर्ज किए गए ।

पीएम मोदी के भाई प्रहलाद मोदी का आरोप गरीबों तक नहीं पहुंचा सरकारी अनाज

अहमदाबाद । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बड़े भाई प्रहलाद मोदी ने लाखों गरीबों तक सरकारी अनाज नहीं पहुंचने का आरोप लगाते हुए पूरे मामले की सीबीआई से जांच कराने की मांग की है। बता दें कोरोना संकट को देखते हुए सरकार ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत बीपीएल और एपीएल कार्ड धारकों को मुफ्त अनाज वितरण करने का ऐलान किया है और इसके अंतर्गत वितरण किए जाने का दावा भी किया जा रहा है। इन सब के बीच प्रहलाद मोदी ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

पीएम मोदी के भाई और सार्वजनिक वितरण प्रणाली एसोसिएशन के प्रमुख प्रहलाद मोदी ने आरोप है कि सरकार की ओर से मिलने वाला मुफ्त अनाज गुजरात के लाखों को गरीबों नहीं मिला। सरकारी अनाज की कालाबाजारी की आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि उनके पास इसके पक्के सबूत हैंद्य गरीबों तक अनाज पहुंचाने के सरकार के दावों को गलत बताते हुए उन्होंने पूरे मामले की सीबीआई से जांच कराने की मांग की। साथ ही जरूरतमंदों तक सरकारी अनाज पहुंचाने की मांग की।

गुजरात में कोरोना के 230 नए केस, 18 मरीजों की मौत, 31 ठीक हुए

राज्य में कुल 3301 केसों में अहमदाबाद कोरोना के सबसे अधिक 2181 मरीज

अहमदाबाद । गुजरात में खासकर अहमदाबाद में कोरोना के चलते स्थिति गंभीर होती जा रही है । अहमदाबाद समेत गुजरातभर में कोरोना केसों का आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है। पिछले 24 घंटों में गुजरात में कोरोना के 230 नए केसों के साथ राज्य में इसका आंकड़ा 3301 पर पहुंच गया है। जिसमें 2181 मामले केवल अहमदाबाद में दर्ज हुए हैं। 24 घंटों में 18 और मरीजों की मौत के साथ इसका इस रोग से मरनेवालों की संख्या 151 पर पहुंच गई है।

स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख सचिव डॉ. जयंति रवि ने यह जानकारी देते हुए बताया कि गुजरात में पिछले 24 घंटों में कोरोना के नए 230 केस सामने आए हैं, जिसमें 178 मामले केवल अहमदाबाद के हैं। वहीं सूरत में 30, आणंद में 8, बनासकांठा में 1, गांधीनगर में 2, खेडा में 1, नवसारी में 1, पाटन में 1, राजकोट में 4 और वडोदरा में 4 केस दर्ज हुए हैं। 230 नए केसों के साथ गुजरात में अब तक कोरोना के कुल 3301 केस दर्ज हो चुके हैं। जिसमें कुल 151 मरीजों की मौत हो चुकी है और 313 लोगों को ठीक होने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया है। जबकि 2810 मरीजों की हालत स्थिर है और 28 मरीज वेन्टीलेटर पर हैंद्य उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटों में केवल अहमदाबाद में 5 महिला और 13 पुरुष मरीजों समेत 18 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें 10 मरीज डायाबिटिश और ब्लडप्रेशर समेत अन्य कई बीमारियों से पीड़ित थे। उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटों में 31 लोगों के ठीक होने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया है। जिसमें अहमदाबाद के 25, भरुच में 4 और कच्छ में 2 लोगों को अस्पताल से छुट्टी दी गई है। राज्य में अब तक कुल 51091 टेस्ट किए गए, जिसमें 3301 पॉजिटिव और 47790 लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। राज्य में 39535 लोग कोरन्टाइन हैं, जिसमें 35870 होम कोरन्टाइन, 3415 सरकारी कोरन्टाइन और 250 लोग प्राइवेट फैसिलिटी में कोरन्टाइन हैं। डॉ. जयंति रवि ने बताया कि अहमदाबाद में 178 नए केसों के साथ कोरोना पॉजिटिव मामलों की संख्या 2181 पर पहुंच गई है। जिसमें 104 मरीजों की मौत और 140 लोग ठीक होकर घर लौट चुके हैं। वडोदरा में कोरोना का ग्राफ 234 पर और सूरत में 526 पर पहुंच गया है। वहीं राजकोट में 45, भावनगर में 40, आणंद में 49, भरुच में 29, गांधीनगर में 25, पाटन में 17, पंचमहल में 17, बनासकांठा में 28, नर्मदा में 12, छोटाउदेपुर में 13, कच्छ में 6, मेहसाणा में 7, बोटाद में 12, पोरबंदर में 3, दाहोद में 4, गिर सोमनाथ में 3, खेडा में 6, जामनगर में 1, मोरबी में 1, साबरकांठा में 3, अरवल्ली में 18, महीसागर में 10, तापी में 1, वलसाड में 5, नवसारी में 3, डांग में 1 और सुरेन्द्रनगर में कोरोना का अब तक एक केस सामने आया हैद्य गुजरात में अब तक कोरोना वायरस 151 मरीजों को निगल चुका है और 313 लोगों को ठीक होने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज किया जा चुका है।

पहले दिन 10 लाख से अधिक परिवारों को अनाज का मुफ्त वितरण

अहमदाबाद । विश्वव्यापी कोरोना वायरस कोविड–19 के संक्रमण के कारण पैदा हुए लॉकडाउन के हालात में गुजरात सरकार ने अंत्योदय और प्राथमिकता वाले 66 लाख परिवारों को निःशुल्क अनाज वितरण की घोषणा की थीद्य इसके अंतर्गत पहले दिन राज्य की सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकानों से 10 लाख से अधिक परिवारों को मुफ्त अनाज का वितरण किया गया है

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने लॉकडाउन की स्थिति में जब व्यापार–व्यवसाय, रोजगार सहित आर्थिक गतिविधियां ठप पड़ चुकी हैं, तब राज्य का कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए, हरेक को दो वक्त का पर्याप्त भोजन मुहैया हो उसके लिए निःशुल्क अनाज वितरण व्यवस्था सुनिश्चित करने को राज्य के प्रशासनिक तंत्र और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग को प्रेरित किया था। अनाज वितरण व्यवस्था में सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों की पालना के साथ ही दुकानों पर मजमा न लगे इसकी विशेष सतर्कता और आयोजन खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने किए हैं। मुख्यमंत्री के दिशानिर्देश में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के लाभार्थी अंत्योदय और प्राथमिकता वाले 66 लाख परिवारों को अप्रैल महीने में गेहूं, चावल, दाल, चीनी और नमक के निःशुल्क वितरण का कार्य सफलतापूर्वक किया था। रूपाणी ने लॉकडाउन की अवधि बढ़ने की स्थिति में अधिक संवेदना दर्शाते हुए ऐसे 66 लाख परिवारों को प्रति व्यक्ति साढ़े तीन किलो गेहूं और डेढ़ किलो चावल निःशुल्क दूसरी बार देने का निर्णय किया। इस अनाज का वितरण 25 अप्रैल से शुरू करने उन्होंने तंत्र को निर्देश दिया और यह वितरण व्यवस्था सुचारू रूप से चले इसके लिए एनएफएसए लाभार्थियों के राशन कार्ड नंबर के आखिरी अंक के अनुसार 25 से 29 अप्रैल के दौरान क्रमानुसार अनाज वितरण व्यवस्था का इंतजाम किया गया है। शनिवार, 25 अप्रैल को अनाज वितरण शुरू होने के पहले दिन एक ही दिन में 10 लाख लाभार्थियों ने राज्य की 17 हजार सरकारी मान्यता प्राप्त उचित मूल्य की दुकानों से अनाज प्राप्त किया। इस उद्देश्य से खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, गुजरात राज्य नागरिक आपूर्ति निगम की ओर से 17,500 मीट्रिक टन गेहूं और 7,500 मीट्रिक टन चावल का वितरण किया गया है।

कोरोना वायरस (कोविड–19) के संक्रमण की रोकथाम के उद्देश्य से सोशल डिस्टेंसिंग की पालना करते हुए तथा भीड़भाड़ से बचने के लिए सतर्कता बरतते हुए उचित मूल्य की दुकान के संचालकों ने भी राज्य सरकार की इस व्यवस्था में पूर्ण सहयोग दिया है। मुख्यमंत्री ने राज्य के मुख्य सचिव द्वारा जिला कलक्टर व जिला आपूर्ति अधिकारियों के साथ दैनिक आधार पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर समूची प्रक्रिया को पारदर्शी और सुचारू रूप से चलाने के लिए तथा किसी भी जगह मजमा न लगे एवं सामाजिक दूरी बनी रहे इस तरह के सभी पहलुओं की चिंता करते हुए लगातार मार्गदर्शन दिया। निःशुल्क अनाज वितरण 66 लाख एनएफएसए लाभार्थियों को उनके राशन कार्ड नंबर के आखिरी अंक के अनुसार क्रमानुसार 29 अप्रैल तक किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्णय किया है कि जो लाभार्थी अपरिहार्य कारणों से इन दिनों के दौरान अनाज वितरण का लाभ नहीं ले सके हैं, वैसे लाभार्थियों को 30 अप्रैल को भी अनाज वितरण किया जाएगा। राज्य का कोई भी नागरिक भूखा न सोए ऐसी मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की संवेदनशीलता को खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निदेशक के अधीन जिला आपूर्ति अधिकारी और नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रशासनिक

केन्दीय टीम ने सुरत के अलग अलग क्षेत्रों,होस्पिटल,और अधिकारीयों से बातचीत कर कोरोना वायरस की परिस्थितियों का जायंजा लिया

गुजरात के कंटेनमेंट घोषित किए गए क्षेत्र जहां दुकाने नहीं खुलेंगी

अहमदाबाद (मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने रविवार से गुजरात के सभी जिलों में जीवनजरूरी चीजवस्तुओं की दुकानें खोलने का ऐलान किया थाद्य हांलाकि कंटेनमेंट घोषित क्षेत्रों में दुकानें खोलने पर रोक जारी रहेगी

राज्य सरकार के फैसले के मुताबिक अहमदाबाद महानगर के कंटेनमेंट घोषित क्षेत्र खाडिया, जमालपुर, शाहपुर, दरियापुर, दाणीलिमड़ा और बहेरामपुरा में दुकानें–व्यवसाय शुरू नहीं किए जा सकते। वहीं भावनगर के सांढियावाड़ और वडवा, राजकोट महानगर के जंगलेश्वर, राजलक्ष्मी सोसायटी और कृष्णजीत सोसायटी कंटेनमेंट क्षेत्र के तौर पर घोषित किए गए हैं, लिहाजा वहां भी दुकानें नहीं खोली जा सकती। वडोदरा ग्रामीण के डभोई, भायली, वाघोड़िया, करजण और पादरा भी कंटेनमेंट क्षेत्र हैं इसलिए वहां भी दुकानें नहीं खोली जा सकेंगी। वडोदरा महानगरपालिका क्षेत्र में किशनवाड़ी के बाहर कॉलोनी, वृंदावन पार्क और धानानी पार्क, ज्यूबली बाग का मोगलवाड़ा, कालुपुरा, नरसिंहजी पोळ, मराठी मोहल्ला, नवा बाजार, रोकड़नाथ पुलिस चौकी, जगमाळ की पोळ, सुदामापुरी का गुलीस्तान एपार्टमेंट, रामदेव नगर का बनियन सिटी डुप्लेक्स, बापोदरा एकता नगर, गोरवा का कुरेशा पार्क, दिवाळीपुरा का अयोध्यापुरी, गोकुळ नगर का प्रासित रेसिडेंसी, तांदळजा की गुलाब वाटिका सोसायटी, नीलगिरी वुडा, फातिमा बंगलोज, दंतेश्वर का अनुपम नगर, गजरावाड़ी का शनिदेव मंदिर, मोटी मोरवाड़, माळी मोहल्ला, यमुना मिल का विश्वकर्मा (शिव नगर–2), मकरपुरा की रुषिकेश सोसासटी, कारेली बाग का सत्यम फ्लैट, राणावास, एम.आई.जी फ्लैट, शिया बाग की शिंदे कॉलोनी, मेहबूब नगर, नवापुरा हनुमान फळिया, दयाळबावा का खांचा, अकबरी मस्जिद नान कोर्ट, नवा यार्ड भवानीपुरा, नवी धरती का नागरवाड़ा और सैयदपुरा, आंबली फळिया, रोहितवास, अमदावादी पोळ, मेहता पोळ, मेहता वाड़ी, नवाबवाड़ा, सरदार भवन खांचो और कशामोहल्ला, छाणी का सेफरॉन ब्लिस तथा समा की रांदलधाम सोसायटी, हरणीसमा और नूतन स्कूल के पास पटेल पार्क का समावेश होता है।

सूरत महानगर के सेंट्रल जोन का नवसारी बाजार चौराहा से डीकेएम सर्कल से भागळ चौराहा होते हुए कांसकीवाड़ पे एंड यूज होकर माली फळिया होते हुए मस्कति हॉस्पिटल से राजमार्ग टावर रोड होकर बेगमपुरा मोमती टॉकीज रोड से फालसावाड़ी मेन रोड होकर झांपा बाजार मेन रोड से निर्वाण अखाड़ा रोड होते हुए एन.टी.एम. मार्केट से मृगवान टेकरा से बेगमपुरा मेन रोड होकर सलाबतपुरा पुलिस स्टेशन सर्कल से हलवावाला सर्कल होकर निशीत कंज्यूमर स्टोर्स से कष्टभंजन हनुमान मंदिर रोड होते हुए हजरत अकबर शहीरद रोड से रुस्तमपुरा कम्यूनिटी हॉल से सगरामपुरा पुतळी सर्कल से नवसारी बाजार चौराहा के बीच का क्षेत्र, सैयदपुरा पंपिंग स्टेशन से सैयदपुरा खाड़ी शेरी उभा रोड से लीमडखा शेरी होकर रामपुरा पेट्रोल पंप से रामपुरा मेन रोड से बाएं लालमिया मस्जिद रोड से मशालचीवाड़ से बाएं मूड़कर सूरत हेल्थकेयर फाउंडेशन बैंक से सैयदपुरा मेन रोड से बाएं मूड़कर सैयदपुरा पंपिंग स्टेशन तक का क्षेत्र। मुगलीसरा मेन रोड सिप एसेंस रोड के बगल के रास्ते से रिवर फ्रंट रोड होकर जिलानी ब्रिज के नीचे से दाहिने मूड़कर धास्तीपुरा यादगार चिकन सेंटर से धास्तीपुरा एसएमसी ऑफिस से वरियावी बाजार पुलिस स्टेशन होकर सिप एसेंस स्टोर्स तक का क्षेत्र। झांपा बाजार क्षेत्र, नानपुरा एलआईसी क्वार्टर्स से कादरशानी नाळ सर्कल से सिम्गा स्कूल रोड से क्षेत्रपाल मंदिर रोड होकर मौलवी स्ट्रीट से राजेश्री टॉकीज रोड से नवसारी बाजार पुलिस स्टेशन से न्यू ख्वाजादाना रोड से खंडेरावपुरा रोड से एकता सर्कल से नानपुरा एलआईसी क्वार्टर्स तक का क्षेत्र। चौटा बाजार जमनादास धारीवाला से लाल गेट से भागळ चौराहा से बाईं ओर भावनगरी शेरी रोड से बीपी हेल्थ सेंटर रोड से तक्षशिला एपार्टमेंट के बगल में से चौटा बाजार साईं बाबा मंदिर से चौटा बाजार जमनादास धारीवाला तक का क्षेत्र। सैयदपुरा, नाणावट, शाहपोर (अनु.नं.1 (2) के सिवाय का क्षेत्र, सलाबतपुरा, बेगमपुरा, महिधरपुरा, कांसकीवाड़, सैयदपुरा (अनु.नं.1 (1) और 1 (4) सिवाय का क्षेत्र, सगरामपुरा, नानपुरा, गोपीपुरा, वाड़ी फळिया, सोनी फळिया (अनु.नं. 1 (5) और 1 (6) सिवाय का क्षेत्र)

साउथ ईस्ट जोन (लिंबायत) आजाद चौक, नुरानी नगर, रमाबाई चौक, इस्लामिक चौक, गुजरात (आंजणा) स्लम क्लियरेंस बोर्ड, मीठी खाड़ी, रजा चौक, बैठी कॉलोनी, पतरानी चाल, कुलवाड़ी, रेल राहत कॉलोनी, इंद्रा वसाहत, नूरे इलाही नगर, गोविंद नगर, प्रताप नगर, क्रांति नगर, सुगर नगर, हनुमान शेरी, राव नगर, कादरीगली नं. 02 से 05 का क्षेत्र,

मान दरवाजा टेनामेंट नं. ए–1 से ए–5, बी–1 से बी–3, सी–1 से सी–9 तथा टेनामेंट से जुड़ा हळपति कॉलोनी का क्षेत्र। वराछा जोन–ए का वल्लभ नगर, गुरुनगर, महेश्वरी सोसायटी, विहळनगर का क्षेत्र, दिव्य वसुंधरा फ्लैट्स, दलित वसाहत, जॉली एन्क्लेव, टांकली फळियुं, आंबावाड़ी झोपड़पट्टी, उधरसभैया की वाड़ी, पाटीचाल का क्षेत्र, कृष्ण नगर, दीनदयाल नगर और श्रीराम नगर स्लम क्षेत्र, धरमतीनगर सोसायटी, कुलपाड़ा क्षेत्र में स्थित शक्तिनगर, शिव नगर और सोमनाथ सोसायटी। साउथ वेस्ट जोन (अठवा) के एसएमसी ईडब्ल्यूएस आवास और पानी की टंकी के बगल में, वेसु, ताजनगर, आजाद नगर के पास और भटार रोड। वेस्ट जोन (रांदेर) का रांदेर, मुख्य मार्ग के उत्तर–पूर्व की ओर तापी नदी तक का क्षेत्र अर्थात अडाजण पाटिया, कोझवे रोड, गोराट, रांदेर गाम, हनुमान टेकरी, भाणकी स्टेडियम के आसपास का क्षेत्र, ऊगत साइट एंड सर्विस स्कीम जहांगीराबाद।

साउथ जोन (उधना) का स्वामीनारायण नगर, रामनगर, श्रीराम नगर, छत्रपति शिवाजीनगर, गौरीनगर, भेस्तान एच–15 आवास, ए–42 से 44 और 49 से 51। नॉर्थ जोन (कतारगाम) के मानसरोवर सर्कल से मानीश गरनाळा, कोसाड रोड, कृष्ण नगर सोसायटी, सत्ताधार सोसायटी आदि का समावेश होता है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)